पंजाब की भगवंत मान सरकार के मंत्रिमंडल का गठन हो गया है। मंत्री अपना पदभार संभालने लगे हैं। मान मंत्रिमंडल की पहली कैबिनेट बैठक हो गई है। पहली बैठक में 25 हजार पदों पर तत्काल भर्ती करने का फैसला किया गया।


# जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 95 दिनांक: 20-03-2022 रविवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M




जापान के पीएम फुमियो किशिदा बतौर प्रधानमंत्री अपनी पहली भारत यात्रा पर शनिवार को नई दिल्ली पहुंचे। जिसके बाद शाम को पीएम नरेन्द्र मोदी के साथ तकरीबन ढ़ाई घंटे तक शिखर वार्ता हुई। अगले पांच वर्षों में जापान भारत में 3.20 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा।

## मान की पहली कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला, 25 हजार युवाओं को मिलेगी नौकरी

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब में नई बनी भगवंत मान सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला हुआ है। सीएम मान के नेतृत्व में हो रही बैठक में 25 हजार सरकारी नौकरी निकाले को लेकर हरी झंडी दी गई है। बताया जा रहा है कि अलग-अलग विभागों, कॉरपोरेशन में यह नौकरियां निकाली जाएगी। बता दें कि कैबिनेट बैठक से पहले राजभवन में भगवंत मान सरकार के 10 मंत्रियों को पद की शपथ दिलवाई गई। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने शपथ दिवलवाई। मंत्रियों में सबसे पहले हरपाल चीमा ने, दूसरे नंबर पर डा.बलजीत कौर ने जबकि तीसरे नंबर पर हरभजन सिंह ने पद की शपथ ली। इस मौके पर पंजाब के मुख्यमंत्री मान भी उपस्थित रहे जबकि हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय पहली बार पंजाब कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित रहे।

बता दें कि मान की कैबिनेट में शुरुआती तौर पर जिन मंत्रियों को जगह दी गई है, वह कई क्षेत्र को रिप्रिजेंट करते हैं। आप के नवनिर्वाचित विधायकों में अलग-अलग क्षेत्रों से आने वाले लोग शामिल हैं। इसमें मान कैबिनेट में 2 किसान, तीन वकील, दो डॉक्टर, एक सामाजिक कार्यकर्ता, इंजीनियर और एक व्यवसायी को शपथ दिलाई गई। मान कैबिनेट में जिन विधायकों को कैबिनेट मंत्री के रूप में शामिल किया गया है, उनका चयन भी क्षेत्रीय संतुलन बनाने के लिए किया गया है। कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले 10 विधायकों में से 5 मालवा से, 4 माझा से और एक दोआबा क्षेत्र से है। मान कैबिनेट में मालवा के आनंदपुर साहिब विधायक हरजोत सिंह बैंस, दिर्बा विधायक हरपाल सिंह चीमा, मलौत विधायक डॉ. बलजीत कौर, मानसा विधायक डॉ. विजय सिंगला और बरनाला विधायक गुरमीत सिंह मीत हेयर शामिल हुए हैं।

माझा क्षेत्र से जंडियाला विधायक हरभजन सिंह, पट्टी विधायक लालजीत सिंह भुल्लर, अजनाला विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल भगवंत मान कैबिनेट में शामिल हुए हैं। उधर, होशियारपुर से विधायक ब्रह्म शंकर जिम्पा कैबिनेट में जगह पाने वाले बाबा क्षेत्र के एकमात्र विधायक हैं. जानकारी के मुताबिक 10 कैबिनेट मंत्रियों के बाद शेष सात मंत्रालयों के लिए दूसरे कैबिनेट विस्तार किया जाने की संभावना है।

## गोवा में दूसरी बार सरकार के लिए भाजपा तैयार बुधवार को होगा शपथ ग्रहण समारोह

नई दिल्ली (ईएमएस)। गोवा में भारतीय जनता पार्टी लगातार दूसरी बार सरकार बनाने जा रही है। खबर है कि भाजपा नेतृत्व वाली नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 23 मार्च यानि बुधवार को होगा। गोवा विधानसभा चुनाव 2022 में भाजपा राज्य में 20 सीटों पर जीत के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा ने प्रमोद सावंत को ही सीएम के तौर पर राज्य की कमान सौंपने का फैसला किया है। बातचीत में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सदानंद शेत तनवड़े ने कहा, 'पर्यवेक्षक नरेंद्र सिंह तोमर और उप पर्यवेक्षक एल मुरुगन बुधवार को गोवा पहुंचेंगे और उसी दिन भाजपा विधायक दल के नेता को चुना जाएगा। एक बार नेता चुने जाने के बाद नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा।' 40 सीटों वाले गोवा में भाजपा के बाद दूसरे नंबर पर कांग्रेस रही थी। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह राजभवन स्थित नवनिर्मित दरबार हॉल में हो सकता है। उन्होंने कहा, 'शपथ ग्रहण समारोह के आयोजन स्थल को लेकर जल्दी ही फैसला लिया जाएगा। नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में तोमर और मुरुगन भी शामिल हो सकते हैं।' गोवा विधानसभा की 50 फीसदी सीटों पर जीत हासिल करने वाली भाजपा को बहुमत के लिए 21 सीटों की जरूरत थी। हालांकि, पार्टी को स्वतंत्र विधायक चंद्रकांत शेटये, एलेक्सियो रेजिनाल्डो लॉरेंसो और एंटोनियो वास ने पहले ही समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। इसके अलावा पार्टी को एमजीपी विधायक रामकृष्ण धवलिकर और जीत अरोलकर से भी समर्थन मिला है।

## जापान अगले पांच सालों में भारत में 42 अरब डॉलर का निवेश करेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। जापानी पीएम फुमियो किशिदा ने अपनी भारत यात्रा के दौरान भारत में 42 अरब डॉलर के भारी - भरकम निवेश की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जापानी पीएम फुमियो किशिदा के साथ दिल्ली में हुई साझा प्रेस कान्फ्रेंस में इसका ऐलान किया गया। भारत और जापान के बीच सालाना स्तर पर ये शिखर बैठक आयोजित की जाती है। दोनों देशों के बीच कुल छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। भारत और जापान के बीच यह द्विपक्षीय बैठक ऐसे वक्त हुई है, जब दुनिया में यूक्रेन संकट को लेकर चौतरफा चिंता जताई जा रही है। किशिदा भारत एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ आए हैं। वो प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार भारत आए हैं। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच लंबी वार्ता हुई है। किशिदा की प्रधानमंत्री मोदी के साथ लंबी बातचीत चली। जापान के 5 ट्रिलियन येन या 42 अरब डॉलर के निवेश का रुपयों में आकलन करें तो यह 3।2 लाख करोड़ रुपयों में बैठता है। इससे पहले जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे जब 2014 में भारत आए थे, तो पांच साल में 3।5 ट्रिलियन येन के निवेश और मदद का ऐलान उन्होंने किया था।

जापान लंबे समय से भारत के शहरों के बुनियादी ढांचे के विकास और बदलाव में मदद कर रहा है। इसमें हाईस्पीड रेलवे भी शामिल है, जिसके तहत मुंबई से अहमदाबाद के बीच बुलेट ट्रेन का संचालन शामिल है। इससे पहले पीएम मोदी और जापानी प्रधानमंत्री किशिदा के बीच हैदराबाद हाउस में बातचीत हुई थी। दोनों देशों ने आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से यह जानकारी दी गई।

## भारत को ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद कर सकता हैं ईरान

मुंबई (ईएमएस)। भारत में ईरानी राजदूत अली चेगेनी ने भारत को ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद की पेशकश कर कहा कि उनका देश तेल और गैस के निर्यात के लिए रुपया-रियाल व्यापार फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। चेगेनी ने कहा कि अगर दोनों देश रुपया-रियाल व्यापार फिर से शुरू करते हैं, तब द्विपक्षीय व्यापार 30 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। ईरान, भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता था, लेकिन पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाने से भारत को आयात रोकना पड़ा। चेगेनी के हवाले से कहा गया, ''ईरान तेल और गैस के निर्यात के लिए रुपया-रियाल व्यापार शुरू करके भारत की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, रुपया-रियाल व्यापार तंत्र दोनों देशों की कंपनियों को एक दूसरे के साथ सीधे सौदा करने और तीसरे पक्ष की मध्यस्थता लागत से बचने में मदद कर सकता है। गौरतलब है कि नई दिल्ली और तेहरान के बीच व्यापार निपटान के लिए एक विनिमय तंत्र था, जिसमें भारतीय तेल आयातक एक स्थानीय ईरानी बैंक को रुपये में भुगतान कर रहे थे और इस धन का उपयोग करते हुए तेहरान, भारत से आयात कर रहा था।

## अविश्वास प्रस्ताव से पहले इमरान खान की पार्टी में पड़ी फूट

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अपनी सरकार बचाने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। इमरान सरकार की दिक्कत तब से और बढ़ गई है जब उनकी ही पार्टी (पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ) के 24 सांसद उनके खिलाफ हो गए हैं। रिपोट्र्स के मुताबिक ये सांसद अविश्वास प्रस्ताव को लेकर इमरान खान के विरोध में मतदान कर सकते हैं। 28 मार्च को मतदान होने की संभावना है। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद ने इमरान खान ने मौजूदा सरकार को बचाने के लिए एक इमरान खान के बदले किसी और को पीएम बनाए जाने का फॉर्मूला पेश किया है। लेकिन पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान की राजनीति पर नजर रखने वाले का मानना है कि इमरान खान की पार्टी से हो रहे विरोध को कंट्रोल करना उनके लिए टेढ़ी खीर होने वाला है। उनके गठबंधन के साथी भी उनके पीएम रहते हुए उनके साथ नहीं रहना चाहते हैं। ऐसे में इमरान खान को सत्ता में रहने के लिए कुछ करिश्मा सा करना होगा वरना वह अविश्वास प्रस्ताव के बाद सत्ता गंवा सकते हैं। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में 342 सदस्य होते हैं। माने सरकार में बने रहने के लिए इमरान खान को 172 सीटें चाहिए होगी। इमरान खान को मौजूदा वक्त में 176 सांसदों का सपोर्ट हासिल है। इसमें इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के 155 सदस्य हैं। इमरान सरकार को मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान के 7, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद के 5, बलूचिस्तान आवामी पार्टी के 5, ग्रैंड डेमोक्रेटिक अलायंस के 3 और आवामी मुस्लिम लीग पाकिस्तान के 1 सांसद का समर्थन प्राप्त है। ये कुल नंबर बनता है 176। जम्हूरी वतन पार्टी के 1 और दो निर्दलीय सांसदों ने भी इमरान खान को बाहर से समर्थन दिया हुआ है।

## संभव है कि जल्द ही भारत 'घृणा और आक्रोश' में शीर्ष स्थान पर पहुंच जाए - विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट पर बोले राहुल

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने खुशहाली से संबंधित एक वैश्विक रिपोर्ट का हवाला देते हुए ट्वीट किया, 'भूख की सूची में 101वां स्थान, स्वतंत्रता की सूची में 119वां स्थान, प्रसन्नता की सूची में 136वां स्थान। परंतु हम जल्द ही घृणा और आक्रोश के चार्ट में सबसे ऊपर हो सकते हैं।'

इससे पहले, उन्होंने महंगाई के संदर्भ में ट्वीट कर कहा, 'यह (महंगाई) और बढ़ेगी, क्योंकि कच्चे तेल की कीमत प्रति बैरल 100 डॉलर से अधिक है, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में 22 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। कोविड ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बाधित किया है।' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि 'भारत सरकार को अब कार्रवाई करनी चाहिए और लोगों को महंगाई से बचाना चाहिए।'

सरकार ने जो आंकड़ा जारी किया है, उसके मुताबिक कच्चे तेल और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होने से खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में आठ महीने के उच्चतम स्तर 6।07 प्रतिशत पर पहुंच गई। इस दौरान थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति बढ़कर 13।11 प्रतिशत हो गई। यूक्रेन पर 24 फरवरी को रूसी आक्रमण के बाद कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में वृद्धि ने थोक मूल्य सूचकांक पर विपरीत असर डाला है।

## योगी के शपथ ग्रहण में सोनिया के शामिल होने पर कांग्रेस नेता को आपत्ति

लखनऊ (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण समारोह में जाने पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कि इससे अल्पसंख्यकों में गलत संदेश जा सकता है। कयास लगाए जा रहे हैं कि सोनिया अगले सप्ताह होने जा रहे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण में शामिल हो सकती हैं। उत्तर प्रदेश राजधानी लखनऊ के इकाना स्टेडियम में कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो गई हैं। सोनिया गांधी को योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में नहीं जाना चाहिए, क्योंकि यह अल्पसंख्यकों में गलत संदेश भेजेगा।' एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से लिखा कि विपक्षी दलों में से कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मयावती को भी आमंत्रित किया जा सकता है। अल्वी ने कहा कि सोनिया ही नहीं राहुल और प्रियंका को भी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण में शामिल नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'बीते पांच सालों में अपने कार्यकाल के दौरान आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में केवल नफरत फैलाई है। वे 80 बनाम 20 के नारे के चलते चुनाव जीते। वे केवल बुलडोजर चलाने के बारे में बात कर रहे थे। इसलिए कोई भी नेता जो भारत की परंपरा, महत्व या संस्कृति में भरोसा रखता है, उसे आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होना चाहिए। एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी शामिल हो सकते हैं। कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थी भी शिरकत करेंगे।

## नवाब मलिक के सभी विभागों को पार्टी के अन्य मंत्रियों में बांटने का निर्णय

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक के सभी विभागों को पार्टी के अन्य मंत्रियों में बांटने का निर्णय है। इस निर्णय के साथ ही शिवसेना नीत महा विकास आघाडी सरकार में मलिक में पास कोई विभाग नहीं बचेगा। एनसीपी ने मलिक से इस्तीफा नहीं लेने का भी निर्णय लिया है। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने मलिक के इस्तीफे की मांग की है।

राज्य सरकार में मलिक के पास कौशल विकास और अल्पसंख्यक मामलों का विभाग था। वह परभणी और गोंदिया जिले के पालक (गार्डियन) मंत्री भी हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि कौशल विकास विभाग स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे को दिया जाएगा और अल्पसंख्यक मामलों के विभाग का जिम्मा आवास मंत्री जितेंद्र आव्हाड को सौंपा जाएगा। सामाजिक न्याय मंत्री धनंजय मुंडे को परभणी जिले का प्रभार दिया गया है।

इसके अलावा बिजली राज्यमंत्री प्राजक्त तानपुरे गोंदिया जिले के नए पालक मंत्री होंगे। महाराष्ट्र एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष और जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल ने संवाददाताओं से कहा कि मलिक के विभागों के वितरण का प्रस्ताव मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को भेजा जाएगा जो उसे राजभवन भेजेंगे।

## गृह मंत्री अमित शाह ने आज जम्मू में जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज जम्मू में जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और भारत सरकार व जम्मू-कश्मीर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। केंद्रीय गृह मंत्री ने सुरक्षा स्थिति में सुधार, 2018 में हुई 417 आतंकी घटनाएँ कम होकर 2021 में 229 होने और 2018 में शहीद हुए सुरक्षा बलों के जवानों की संख्या 91 से घटकर 2021 में 42 होने की सराहना की। अमित शाह ने आतंकवादियों के खिलाफ सक्रिय अभियानों और उन्हें सुरक्षित पनाहगाह या वित्तीय सहायता से वंचित करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने सुरक्षा बलों और पुलिस को प्रभावी आतंकवाद विरोधी अभियानों और जेलों से आतंकवादियों की निगरानी गतिविधियों के लिए वास्तविक समय आधारित समन्वय (र्ीत ऊग्स एदद्दर्गीूग्दह) सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। गृह मंत्री ने नार्को आतंकवाद को रोकने के लिए जम्मू-कश्मीर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (ऱ्ँ) को और मजबूत करने का आदेश दिया।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शांतिपूर्ण और समृद्ध जम्मू-कश्मीर के सपने को साकार करने के लिए सीमा पार से ज़ीरो घुसपैठ सुनिश्चित करने और आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए सुरक्षा ग्रिड को और मजबूत किया जाना चाहिए।

## नगालैंड से पहली बार कोई महिला बनेगी राज्यसभा सांसद

कोहिमा (ईएमएस)। पूर्वोत्तर राज्य नगालैंड से पहली बार कोई महिला राज्यसभा सांसद निर्वाचित हो सकती है। बीजेपी ने यहां पार्टी की राज्य में महिला मोर्चा की अध्यक्ष एस फेंगनॉन कोन्याक को अपना उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी के साझेदार एनडीपीपी के साथ 60 सदस्यीय विधानसभा में 35 विधायक हैं। विधानसभा में नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ)के 25 सदस्य हैं, जिसकी शनिवार को बैठक हुई कि कोन्याक को समर्थन दिया जाए या अपना अलग से प्रत्याशी उतारा जाए, लेकिन बैठक बेनतीजा रही। एनपीएफ के महासचिव और प्रवक्ता अचुम्बेमो किकोन ने ये जानकारी दी है।

पार्टी रविवार को अगले दौर की बैठक करेगी। हालांकि एनपीएफ द्वारा प्रत्याशी उतारे जाने के बावजूद एनडीपीपी-बीजेपी के पास संयुक्त रूप से अधिक विधायक हैं और उनके प्रत्याशी की जीत लगभग तय है। कोन्याक ने अबतक नामांकन दाखिल नहीं किया है। वर्ष 1963 में नगालैंड के बतौर राज्य के रूप में अस्तित्व में आने के बाद से केवल एक महिला सांसद रानो एम शाइजा चुनी गई हैं। वह वर्ष 1977 में लोकसभा के लिए बतौर निर्दलीय प्रत्याशी चुनी गई थीं।

नगालैंड विधानसभा में आजतक कोई महिला विधायक निर्वाचित नहीं हुई है। पीठासीन अधिकारी के। रियो ने बताया कि प्रत्याशी सोमवार दोपहर 3 बजे तक नामांकन दाखिल कर सकते हैं। राज्य सभा के लिए 31 मार्च को चुनाव होगा और उसी दिन मतों की गिनती होगी। पूर्वोत्तर के राज्यों में नगालैंड में अभी तक कोई महिला राज्यसभा सदस्य निर्वाचित नहीं हुआ है।

## लश्कर चीफ हाफिज सईद सैयद सलाहुद्दीन और यासीन मलिक समेत अन्य पर यूएपीए के तहत आरोप तय

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में आतंक के लिए फंडिंग के मामले में लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक पाकिस्तानी आतंकी हाफिज सईद, हिजबुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन, यासीन मलिक, शब्बीर शाह, मसरत आलम और अन्य के खिलाफ दिल्ली की एक अदालत ने आरोप तय करने का आदेश दिया है। इन आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत यह निर्देश दिए गए हैं। इन पर जम्मू और कश्मीर राज्य में आतंकवादी और अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए वित्त पोषण का आरोप है। पटियाला हाउस कोर्ट स्थित विशेष न्यायाधीश प्रवीण सिंह की अदालत ने कश्मीरी राजनेता और पूर्व विधायक राशिद इंजीनियर, व्यवसायी जहूर अहमद शाह वटाली, बिट्टा कराटे, आफताब अहमद शाह, अवतार अहमद शाह, नईम खान, बशीर अहमद भट, उर्फ पीर सैफुल्ला और कई अन्य के खिलाफ भी विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया है।

## सोनिया गांधी को कांग्रेस में जवाबदेही के सिद्धांत को लागू करना चाहिए: मनीष तिवारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। जी-23 के नेताओं ने बैठक की थी, इसमें आनंदपुर साहिब से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी भी मौजूद रहे। मनीष तिवारी भी जी-23 नेताओं का हिस्सा है। ये समूह पार्टी में संगठनात्मक बदलावों और सामूहिक नेतृत्व की व्यवस्था की बात कर रहा है। जी-23 नेताओं में शामिल मनीष तिवारी ने कहा कि पार्टी अब शायद कांग्रेस मुक्त भारत की ओर देख रही है। बैठक के संदर्भ में पूछा गया कि क्या अब एकतरफा फैसले लिए जा रहे हैं? इस पर मनीष तिवारी ने कहा, पार्टी के 18 वरिष्ठ नेताओं ने गुलाम नबी आजाद के आवास पर मुलाकात की, होली के कारण कई अन्य नेता बैठक में नहीं आ सके। खासकर जब हमने कुछ अहम सुधारों को चिन्हित करते हुए एक खत लिखा था जो पार्टी को दोबारा जीवित करने के लिए जरूरी थे। तब से कांग्रेस 11 राज्यों में हार का मुंह देख चुकी है।

तिवारी ने कहा कि स्पष्ट रूप से परेशानी है, जमीनी हकीकत और फैसले लेने के बीच एक डिस्कनेक्ट है। चुनावों में लगातार कांग्रेस की हार पर उन्होंने कहा, इस बात पर ज्यादा जोर नहीं दिया जा सकता कि कांग्रेस अस्तित्व के संकट से जूझ रही है। हम 2014 और 19 का लोकसभा चुनाव हारे, 2014 से 49 विधानसभा चुनावों में से हमें 39 में हार मिली है। हम केवल 4 चुनाव जीत सके हैं। हम वास्तव में एक गंभीर हालात देख रहे हैं।

उन्होंने कहा, हर सियासी पार्टियां सियासी आंदोलन अंततः एक विचार है।वहीं कांग्रेस का विचार जो इतना पुराना है, वह अब विलुप्त होता दिख रहा है। किसी भी सियासी संगठन में पांच जरूरी चीजें होती हैं, आइडिया, लीडरशिप, नैरेटिव, संगठन और संसाधनों तक पहुंच।

उन्होंने कहा जिस नेतृत्व ने 1998 से 2017 तक सोनिया गांधी के रूप में हमारा नेतृत्व किया है, शायद अभी भी कांग्रेस के एक बड़े हिस्से को स्वीकार्य है। लेकिन फिर सोनिया गांधी को अपने पुराने अंदाज में लौटकर जवाबदेही के सिद्धांत को लागू करना शुरू करना चाहिए, जो दुर्भाग्य से 2017 से गायब है।

## 2024 तक जय शाह बने रहेंगे एसीसी अध्यक्ष, एजीएम की बैठक में फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) की बैठक में फैसला लिया गया है, कि साल 2024 तक जय शाह ही एसीसी अध्यक्ष बने रहने वाले हैं। शनिवार को हुई एजीएम की बैठक में यह फैसला लिया गया है। एसीसी की ओर से ट्वीट कर कहा गया है कि एसीसी के सभी सदस्यों ने एकमत से तय किया है कि जय शाह का बतौर एसीसी प्रेसिडेंट कार्यकाल 2024 तक के लिए बढ़ा दिया जाए।

बता दें कि एशियन क्रिकेट काउंसिल में पांच बोर्ड स्थायी सदस्य हैं। जिसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं। इसके अलावा भी नेपाल, ओमान, यूएई, भूटान, हॉन्ग कॉन्ग, थाईलैंड, चीन, बहरीन सहित अन्य कई देशों के क्रिकेट बोर्ड काउंसिल का हिस्सा हैं।

एजीएम में फैसला लिया गया है कि कतर क्रिकेट एसोसिएशन को अब काउंसिल के फुल मेंबर का दर्जा दिया जाएगा, पहले इस सिर्फ एसोसिएट का दर्जा दिया गया था। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने इसी के साथ एशिया कप-2022 को लेकर भी फैसला कर लिया है। एशिया कप इससाल श्रीलंका में खेला जाएगा और यह टी-20 फॉर्मेट में होगा। टी-20 वर्ल्डकप से पहले भारत के लिए तैयारी के लिए यह एक बड़ा मौका होगा।

कार्टून कोना




## पंजाब में भगवंत मान का चेहरा सबसे ऊपर दिल्ली का दखल कम

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब में मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण भी हो गया और इसके साथ ही ही पंजाब में भगवंत मान कैबिनेट की पहली बैठक भी हो गई। मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह पंजाब राजनिवास में हुआ, जिसमें शपथ लेने आए मंत्रियों के साथ आम आदमी पार्टी के पंजाब के सभी नवनिर्वाचित विधायक भी शामिल रहे। लेकिन इस दौरान पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ही नज़र नहीं आए बल्कि दिल्ली से जुड़ा एक भी मंत्री या नेता इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मौजूद नहीं रहा। यहां तक कि पंजाब चुनाव के प्रभारी और दिल्ली से आप विधायक जरनैल सिंह और पंजाब सह-प्रभारी राघव चड्ढा भी इसमें शामिल नहीं हुए। जानकारी के मुताबिक दिल्ली में किसी को भी इस कार्यक्रम के लिए न्योता नहीं दिया गया था। इतना ही नहीं कुछ दिनों पहले अख़बारों में भगवंत मान के शपथ से जुड़े विज्ञापनों भी सिर्फ़ मान ही नज़र आए और कोई दूसरा चेहरा नहीं दिखाई दिया। हालांकि पार्टी से जुड़े सूत्रों की मानें तो अरविंद केजरीवाल और पार्टी के दूसरे बड़े नेताओं ने फैसला किया है कि पंजाब भगवंत मान की निगरानी में ही काम करेगा, पंजाब में जो भी फैसले लिए जाएंगे वो सभी भगवंत मान और उनकी कैबिनेट के द्वारा ही लिए जाएंगे, दिल्ली की दखल इसमें कम ही देखने को मिलेगी। पार्टी सूत्रों का ये भी कहना है कि भगवंत मान ने अपनी कैबिनेट के लिए मंत्रियों की लिस्ट भी खुद ही फ़ाइनल की है। दरअसल भगवंत मान चुनाव से पहले पंजाब में पार्टी के अध्यक्ष भी रहे हैं और पंजाब की कमान काफ़ी हद तक उन्होंने ही संभाल के रखी थी, ये भी माना जा रहा है कि पार्टी की बड़ी जीत के पीछे भगवंत मान का चेहरा भी काफ़ी काम आया। यही वजह है कि अरविंद केजरीवाल उन पर काफी भरोसा करते हैं और वो चाहते हैं कि पंजाब में सरकार भगवंत मान के फैसले पर काम करे और ये फैसले ऐसे हों जिन्हें पार्टी आगामी चुनावों में जनता के सामने ले जा सके ताकि बाक़ी राज्यों में भी पार्टी को पंजाब मॉडल पर जीत हासिल हो सके। भगवंत मान मंत्रिमंडल शामिल हुए गुरमीत सिंह ने बताया कि पंजाब का चुनाव पार्टी ने भगवंत मान के चेहरे पर ही लड़ा था ऐसे में जो भी फ़ैसले अब पंजाब में लिए जा रहे हैं या आगे लिए जाएंगे वो मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा ही लिए जाएंगे। वहीं भगवंत मान कैबिनेट में शामिल हुई इकलौती महिला मंत्री डॉक्टर बलजीत कौर ने भी कहा कि भगवंत मान के चेहरे पर हमने चुनाव जीता है, सभी फ़ैसले उनके हिसाब से ही लिए जाएंगे।। बाक़ी जो गाइडलाइन्स पार्टी की रहेगी उसी के हिसाब से काम होगा। राजनीति के जानकारों का कहना है कि पंजाब और दिल्ली दो अलग तरह के राज्य हैं, इसलिये दिल्ली की तुलना पंजाब से नहीं की जा सकती। भगवंत मान पंजाब में उसी हिसाब से काम करेंगे इसलिए दिल्ली का दखल भी कम ही देखने को मिलेगा। ये ज़रूर है कि पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व भी मायने रखता है। पार्टी को भरोसा है कि भगवंत मान दिल्ली में केजरीवाल मॉडल को ध्यान में रखते हुए ही पंजाब में काम करेंगे। कैबिनेट के 25000 सरकारी नौकरियां जारी करने के पहले बड़े फ़ैसले और भगवंत मान के एंटी करप्शन हेल्पलाइन नंबर शहीदी दिवस पर जारी करने के एलान ने ये काफ़ी हद तक साफ़ भी कर दिया है कि पंजाब में ज़्यादातर चीजें दिल्ली के केजरीवाल मॉडल के जैसी ही होंगी। यही वजह है कि फ़िलहाल पार्टी नेता दिल्ली से पंजाब में दखल देने से बच रहे हैं।

## दुनिया में फिर से पैस पसार रहा कोरोना, चीन में संकट अमेरिका में लाकडाउन की तैयारी

बीजिंग (ईएमएस)। कोरोना के मामलों में कुछ हफ्तों में लगातार केस में गिरावट आने के बाद कोविड-19 वायरस वापस आ गया है। चीन और दक्षिण कोरिया जैसे राष्ट्र दैनिक कोरोना मामलों के मामले में नई ऊंचाई पर पहुंच रहे हैं, जो ज्यादातर ऑमिक्रोन वरियंट के हैं। इसके बाद भारत सरकार ने सभी राज्यों को एक पत्र लिखा, जिसमें उनसे आग्रह किया गया कि वे अपने स्तर पर लोगों को कोरोना को लेकर लापरवाही करने से रोक दें। परीक्षण, ट्रैक, उपचार, कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन करें और टीकाकरण जारी रखें। भारत में इनदिनों मामले नियंत्रण में हैं।

चीन वर्तमान में 2020 में वुहान में शुरुआती प्रकोप के बाद से स्थानीय रूप से प्रसारित कोविड-19 मामलों की अपनी सबसे बड़ी लहर से लड़ रहा है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकार ने देश में कोरोना संक्रमण से दो लोगों की मौत की पुष्टि की, जो जनवरी 2021 के बाद से मृतक संख्या में दर्ज पहली बढ़ोतरी है। देश में कोरोना के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण के काफी मामले हैं। संक्रमण से दोनों मौत उत्तर पूर्वी जिलिन प्रांत में हुईं, जिसके बाद देश में मृतक संख्या बढ़कर 4,638 हो गयी है। चीन में शनिवार को संक्रमण के 2,157 नए मामले सामने आए, जो संक्रमण के सामुदायिक प्रसार से जुड़े हैं। इनमें से अधिकतर मामले जिलिन प्रांत से सामने आए। संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए जिलिन प्रांत में यात्रा प्रतिबंध लगाए गए हैं और लोगों को यात्रा के लिए पुलिस की अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है। चीन के वुहान से 2019 के अंत में फैले संक्रमण के बाद से अब तक 4,636 लोगों की मौत हुई है। इन आंकड़ों को अप्रैल 2020 में एक बार अद्यतन किया गया था।

हांगकांग के संचयी कोरोना संक्रमण एक मिलियन से अधिक हो गए हैं, क्योंकि शहर एक व्यापक प्रकोप से जूझ रहा है जिसने पूरे मुख्य भूमि चीन में कथित कोविड -19 मौतों की तुलना में अधिक लोगों की जान ले ली है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शुक्रवार को 20,079 पुष्ट संक्रमणों की सूचना दी, जो महामारी की शुरुआत के बाद से कुल 1,016,944 हो गए। हांगकांग में मौतों की कुल ह्व्÷ लूछ-5,401–ङ्क÷लू भूमि चीन में दर्ज 4,636 घातक घटनाओं को पार कर गई है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ एंथनी फौसी ने चेतावनी दी है, कि अगर मामले बढ़ते हैं, तब अमेरिका जल्द ही लॉकडाउन उपायों को लागू कर सकता है। उन्होंने कहा कि ओमीक्रॉन का बीए.2 सब-वेरिएंट जल्द ही अमेरिका में संक्रमण की दर को बढ़ा सकता है। उन्होंने सलाह दी कि अमेरिका के नागरिक सामान्य जीवन और लॉकडाउन में रहने के बीच आगे-पीछे ठधुरीठ करना सीखें।

स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर, यूके ने शुक्रवार को बिना टीकाकरण वाले यात्रियों के लिए आगमन से पहले यात्री लोकेटर फॉर्म भरने और अनिवार्य पूर्व-प्रस्थान परीक्षणों सहित सभी शेष कोविड से संबंधित अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों को समाप्त कर दिया। हम संभावित नए रूपों की निगरानी और ट्रैकिंग जारी रखने वाले हैं, और हमें सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक होने पर तेजी से तैनात किए जा सकने वाले उपायों का भंडार रखने हैं। यूके के स्वास्थ्य सचिव साजिद जाविद ने कहा, हम अपने टीकाकरण कार्यक्रम की अविश्वसनीय सफलता के लिए इन अंतिम प्रतिबंधों को हटा सकते हैं, जिसने पूरे यूके में 10 में से आठ वयस्कों को बढ़ावा दिया है। योनहाप समाचार एजेंसी ने कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी (केडीसीए) का हवाला देते हुए बताया कि शनिवार को दक्षिण कोरिया ने 381,454 नए कोविड -19 संक्रमणों की सूचना दी, जिससे कुल केसलोएड बढ़कर 9,038,938 हो गया। ये आंकड़े गुरुवार को देश के सर्वकालिक उच्च 621,328 दैनिक मामलों के मामलों में तेज गिरावट को चिह्नित करते हैं। दक्षिण कोरिया में मामलों में स्पाइक वायरस के ओमिक्रॉन संस्करण द्वारा संचालित किया गया है।

## जन हितैषी

# रूस से सौदा

रूस और यूक्रेन के बीच जारी जग को भले ही 21 दिन बीत चुके हों और इस जंग से दुनिया के कई देश प्रभावित हो रहे हों, मगर भारत के लिए इसमें भी राहत की खबर आई है। जंग की वजह से कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल के बाद पेट्रोल-डीजल के रेट बढ़ने के कयास लगाए जा रहे थे, मगर सरकार कुछ और ही गुणा-भाग में लगी थी। कहा जा रहा है कि भारत रियायती रूसी तेल और अन्य वस्तुएं खरीदने पर विचार कर रहा है। ऐसी संभावना बन रही है कि भारत रूस की ओर से दिए गए प्रस्ताव पर विचार कर सकता है। अभी संभावनाओं पर ही अमेरिका ने आंखें तरेरनी शुरू कर दी है। पहले लाख धमकी के बाद एस-400 समझौता और अब रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिका बिफर गया है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस से तेल खरीदने पर पाबंदी लगा दी है। जब भारत की रूस से तेल लेने की संभावनाओं का खुलासा हुआ तो व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा, किसी भी देश के लिए हमारा संदेश यह है, कि हमने जो प्रतिबंध लगाए हैं, हम सभी उन प्रतिबंधों का पालन करें, जो अनुशंसित हैं। अमेरिका ने भारत का नाम लिए बिना यहां तक कहा कि सोचें कि जब इस वक्त के बारे में इतिहास की किताबें लिखा जाएगा, तो आप कहां खड़ा होना चाहते हैं? अमेरिका की चिंता इसलिए है कि यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर रूस पर कड़े पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बीच अधिकारियों ने कहा कि भारत रुपए-रूबल लेन-देन के माध्यम से खरीदारी के लिए एक रूसी प्रस्ताव लेने पर विचार कर रहा है। यूक्रेन पर रूस के हमले को देखते हुए अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर जो प्रतिबंध लगाए हैं, उनके बीच रूस की तेल कंपनियां भारत को कच्चे तेल की कीमत पर 25 से 27 प्रतिशत तक की छूट की पेशकश कर रहीं हैं। दिसंबर 2021 में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत दौरे के दौरान रोसनेफ्ट और इंडिया ऑयल कॉर्पोरेशन के बीच 2022 के अंत तक नोवोरोस्सिएस्क बंदरगाह के जरिए भारत को 2 करोड़ टन तक तेल की आपूर्ति के लिए एक अनुबंध साइन किया था। रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है, जो मुख्य रूप से यूरोपीय रिफाइनरियों को कच्चा तेल बेचता है। यूरोप के देश 20 फीसदी से ज्यादा तेल रूस से ही लेते हैं। इसके अलावा, ग्लोबल उत्पादन में विश्व का 10 फीसदी कॉपर और 10 फीसदी एल्युमीनियम रूस बनाता है। रूस संयुक्त रूप से कच्चे और तेल उत्पादों का दुनिया का शीर्ष निर्यातक है, जो प्रतिदिन लगभग सात मिलियन बैरल या वैश्विक आपूर्ति का सात फीसदी शिपिंग करता है। भारत इस समय कच्चे तेल का बड़ा आयातक है और यह अपनी जरूरत का 85 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल बाहर से खरीदते हैं। आयात किए जा रहे कच्चे तेल की कीमत भारत को अमेरिकी डॉलर में चुकानी होती है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने और डॉलर के मजबूत होने से घरेलू स्तर पर पेट्रोल-डीजल के दाम प्रभावित होते हैं यानी ईंधन महंगे होने लगते हैं। अगर कच्चे तेल की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती है तो जाहिर है भारत का आयात बिल बढ़ जाएगा। एक रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई है कि भारत का आयात बिल 600 अरब डॉलर पार पहुंच सकता है। भारत की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी कंपनी इंडियन ऑयल ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमले के बाद पहली बार 30 लाख बैरल तेल रूस से खरीदा है। भारत अपनी जरूरत का 80 फीसदी तेल आयात करता है। इसमें से केवल 2 से 3 प्रतिशत तेल ही रूस से आता है। उधर, यूरोपीय देश अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भी रूस से तेल और गैस मंगा रहे हैं। अगर रूस छूट के साथ शिपिंग और बीमा खर्च उठा रहा है तो भारत को मौके का फायदा उठाना चाहिए। 20 फीसदी डिस्काउंट भी मिलता है तो यह दिसंबर की क्रूड कीमत के बराबर होगा। रूस अगर अच्छी क्वालिटी का क्रूड देता है तो आयात तीन अरब डॉलर से बढ़ाकर 10 अरब डॉलर तक किया जा सकता है। इससे क्रूड आयात की औसत लागत घटेगी और कुछ महीनों से पेट्रोल-डीजल के दाम न बढ़ाने से कंपनियों पर बना दबाव कम होगा। चूंकि सौदा डॉलर में नहीं होगा, इसलिए डॉलर पर हमारी निर्भरता में कमी आएगी और रुपए के मूल्य में इजाफा होगा। आयात बिल कम होगा। भारत ने अप्रैल 2021 से जनवरी 2022 के बीच कुल 17.6 करोड़ टन क्रूड का आयात किया था। इसमें से 36 लाख टन क्रूड रूस से आया। फिलहाल रूस से 35 लाख बैरल क्रूड खरीदने की बात चल रही है। आगे इसकी मात्रा और बढ़ाई जा सकती है।

# क्या उमा भारती द्वारा शराब बंदी का बीड़ा कितना सार्थक होगा ?

वर्ष 1999 की सम्भवतः बात होगी जब श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के दर्शन हेतु इंदौर आये थे वह भी चुनाव के समय ,जीत के लिए आशीर्वाद लेने .तब आचार्य श्री ने बोला आप विजयी हो और मांस निर्यात प्रतिबन्ध पर विचार की जीये.जैसा की अमूमन राजनेताओं का आचरण होता हैं ,कथनी और करनी में जमीन असामां का अंतर .उसका मुख्य कारण धार्मिक ,सामाजिक न होकर आर्थिक होता हैं .अर्थ के लिए सारे अनर्थ किये जाते हैं और किये जा रहे हैं . इसी प्रकार वर्तमान में सांसद हैं और भूतपूर्व मुख्य मंत्री उमा भारती जी द्वारा शराब बंदी पर जो आक्रोश किया जा रहा हैं उसमे कितनी दम हैं .शराब ,पेट्रोल मांस निर्यात सरकारों की दूध देने वाली गाय हैं जिनकी लातें भी अच्छी लगती हैं .सरकार जीव दया के लिए पैसा नहीं खर्च करना चाहती .कत्लगाह खोलने के लिए तत्पर हैं .आधुनिक यांत्रिक कत्लखाने जिसमे जानवरो को कम से कम कष्ट हो ,खोला जा रहा हैं जिसका कोई विरोध नहीं ,हो सकता हैं राजनेताओं का पसंदीदा भोज्य हो .सरकार मांस प्रदाय हेतु घर घर भेजने की सुविधा बनाये हैं .

उमा भारती जी का कहना हैं की वे शराब दुकानों के सामने धरना देंगी ! कब तक ?,कहाँ तक ,?मनपसंद सरकार घरो घर भेजने की योजना बना रही हैं .सरकार का कहना हैं की दूकान से खरीदने पर पीने वालों की बेइज्जती होती हैं .इससे कुछ लोगों को नौकरी मिलेंगी और पीने वालों को घर बैठे सुविधा .

पुराने विधान सभा भवन जिसे मिंटो हाल कहा जाता हैं वहां शराब ,शबाब और कबाव की खुली सुविधा हैं और उसके सभा गृह में अहिंसा ,शांति की बात की जाती हैं .गाँधी जयंती मनाई जाती हैं .आजकल हर सरकारी आयोजनों में मांसाहार शराब का परोसा जाना सामान्य बात हैं .

वैसे शराब की बुराइयाँ बहुत हैं पर लाभ उससे भी अधिक हैं .सबसे पहले सरकार की आमदनी बढ़ती हैं ,घरों में झगडे होने से पुलिस ,वकील ,कचहरी ,डॉक्टर को काम मिलते हैं .गंभीर रोगों से ग्रसित होने पर इलाज हेतु धन खर्च करना पड़ता हैं जिससे केमिस्ट को लाभ होता हैं और क़र्ज़ लेने पर ब्याज और अंत में लकड़ी का खरच .

उमा जी अपनी ऊर्जा सही दिशा में खरच करे कारण यह बहुत असाध्य रोग हैं ,जिसका इलाज़ सरकार के पास नहीं हैं ,इसका इलाज़ पीने वालों के पास हैं .वे यदि बंद करेंगे तब कुछ हो सकता हैं .अन्यथा कितने आये और कितने आएंगे कोई नहीं रोक सकता हैं और न रुकने वाली हैं .निराशावादी नहीं हूँ पर शराब बंदी की आशा करना बहुत टेढ़ी खीर हैं .

आदमी की जिंदगी महत्वपूर्ण नहीं हैं उससे अधिक राजस्व आय का होना जरुरी हैं .पैसों के पीछे एक दूसरे के दुश्मन होते हैं .कहीं यह दुश्मनी बहुत भारी न पड़ जाए .कारण शासक अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के किसी भी सीमा तक जा सकता हैं या जाता हैं .

शराब बंदी से कालाबाज़ारी और बढ़ेंगी और पीने वालों को रोकना कठिन हैं .वे जब शासकीय दुकानों से ,शासकीय धन देकर ,खरीदते हैं तो यह अपराध की श्रेणी में नहीं आता .हाँ स्वास्थ्य ,सामाजिक ,आर्थिक नुक्सान का होना स्वाभाविक हैं पर साकार बेदर्द होती हैं .

राजस्व लाभ से शासकों की सेवाएं पूर्ती होती हैं ,धन मिलने से प्रभावशाली बनते हैं और शायद मृत्यु सुखद और कष्टरहित होती हैं धन का होना लाज़िमी हैं .

( लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस )

### शब्द पहेली - 7230

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | 3 | ■ | 4 | 5 | | 6 |
| | ■ | 7 | | 8 | | | ■ | |
| 9 | 10 | ■ | ■ | | ■ | | 11 | |
| 12 | | ■ | 13 | | 14 | ■ | 15 | |
| ■ | 16 | | | | 17 | | | ■ |
| 18 | | ■ | 19 | 20 | | | 21 | 22 |
| 23 | | ■ | ■ | | ■ | | 24 | |
| | ■ | 25 | 26 | | 27 | 28 | ■ | |
| 29 | | | | ■ | 30 | | | |

**बाएँ से दाएँ**

1. जनमत-4
4. सचेत,सजग-4
7. सहयात्री,संगी-5
9. रुपया,पैसा -2
11. छोटी सवारी गाड़ी-2
12. घ्राणेंद्रिय-2
13. बेकार-3
15. झुका हुआ-2
16. बसंत काल-3
17. टिड्डा-3
18. अन्वेषण,ढूंढना-2
19. जलने की प्रक्रिया-3
21. एक विदेशी शराब-2
23. कला,हुनर-2
24. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2
25. आत्मबलिदानी-5
29. करामात-4
30. नामसूची-4

**ऊपर से नीचे**

1. पूजा,प्रार्थना-4
2. मार्ग,पथ-2
3. यमराज,मृत्युदेवता-2
4. स्वच्छ-2
5. दूल्हा,वरदान-2
6. द्वेष,ईर्ष्या-4
8. तमीज,तहजीब-3
10. सेंधमार-5
11. चुगली करना-5
13. देवर्षि-3
14. रसद,खाद्य सामग्री-3
18. भयानक,डरावना-4
20. अक्षर (उर्दू-3)
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5
25. तेज,सत्य-2
26. ईश्वर,भगवान-2
27. रुदन,क्रंदन-2
28. मोमबत्ती(उर्दू-2)

**शब्द पहेली -7229 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | त | ला | क | ■ | ह | म | रा | ज |
| म | ■ | ■ | म | ह | क | ■ | ■ | रु |
| ना | ■ | श | त | ■ | ला | ल | ■ | र |
| ना | म | क | र | ण | ■ | की | म | त |
| ■ | लि | ■ | ता | ■ | म | ■ | क्रा | ■ |
| अ | न | ल | ■ | मा | न | क | र | ना |
| ग | ■ | हू | र | ■ | मो | ल | ■ | च |
| ज | ■ | ■ | ज | ग | ह | ■ | ■ | ना |
| क | रा | मा | त | ■ | क | ल | श | ■ |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# कांग्रेस ईमानदार आत्ममंथन से दूर

भारत की राजनीति में वर्षो तक एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस पार्टी विगत एक दशक से कड़े राजनीतिक संघर्ष के दौर से गुजर रही है। गत दिवस सम्पन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर उसे निराशा हाथ लगी। 2017 में इन राज्यों में जहां उसका प्रदर्शन यूपी छोडकर अन्य राज्यों में सम्मानजनक था 2022 में वह भी उसके हाथ से निकल गया। आंतरिक लड़ाई के चलते पंजाब उसकी सरकार थी वहां उसे शर्मनाक पराजय का सामना करना पड़ा।

दरअसल कांग्रेस की मुख्य समस्या यह है कि वह अपने पराजय और पतन पर ईमानदारी के साथ आत्ममंथन करके जो कमियां और गलतियां है उसके सुधार की तरफ कोई सार्थक और ठोस पहल नहीं कर पाती। केन्द्रीय नेतृत्व और राज्य नेतृत्व के बीच तालमेल की वजह से कांग्रेस पार्टी भीतर ही भीतर अपनी नींव को खोखली कर रही है। 2014 के बाद एक-एक करके कांग्रेस के हाथ से अनेक राज्य जहां उसकी सरकार थी हाथ से निकल गये। पार्टी का राज्य नेतृत्व हो या केन्द्र अपनी जमीनी कार्यकर्ता की आहत होती भावनाओं को समझने में विफल है। एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता के अनुसार अफसोस होता है कांग्रेस का बिखराव देखकर ?

भाजपा दुष्प्रचार करके देश में राज कर रही है और कांग्रेस सच बोलकर संघर्ष के दौर में उलझी है। कांग्रेस को यदि अपने स्वर्णीम दौर में वापस लौटना है तो उसे जिले से लेकर राज्य और केन्द्र तक के संगठन को मजबूत करना पड़ेगा। बूथ लेबल पर कांग्रेस के पास कागजों में कमेटियां है पर धरातल पर इनकी उपलब्धियां शून्य है। कमजोर संगठन के सहारे कांग्रेस बहुत बड़ा राजनीतिक लक्ष्य हासिल नहीं कर सकती।

भले ही लोग गांधी परिवार के नेतृत्व को लेकर सवाल खड़ा करें पर वास्तविकता यह है कि श्रीमती सोनिया गांधी हो या राहुल गांधी या प्रियंका गांधी को जो कांग्रेस मिली है वह संघर्ष वाली कांग्रेस है जहां पर उनके लिये पार्टी को एकजुट रख पाना एक मुश्किल काम बनता जा रहा है। कांग्रेस के भीतर अनुशासनहीनता और नेताओं के बीच संवादहीनता बढ़ने के कारण जिस कांग्रेस नेता को जो आता है वह उसे बोल देता है, जो बाद में उनके विरोधियों को लिये राजनीतिक मुद्दा बन जाता है।

राजनीति के मैदान में कई तरह की विषमताओं से गुजरती कांग्रेस को यदि आज जरूरत है ऐसे नेतृत्व की जो अंतिम छोर में खड़े पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं को समझे और उसके अनुरूप पार्टी को आगे ले जाने एक मजबूत रोडमैप और होमवर्क तैयार करें। कांग्रेस के संगठन महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल जैसे संगठन को वर्तमान राजनीति के अनुरूप खड़ा करना पड़ेगा। पुराने कार्यप्रणाली से यह संगठन पार्टी को बहुत बड़ा लाभ नहीं दे पायेगें। जब तक इन संगठनों के पास घर-घर जाकर कार्य करने वाले प्लान नहीं होगें ये कांग्रेस को मजबूती नहीं दे सकते।

यह कटु सत्य है कि कांग्रेस एक विचारधारा है जो हमेशा बहते रहेगी। पर यह तभी संभव है जब आप संगठित होकर काम करेगें। कांग्रेस पार्टी जब सत्ता में भी तब मक्खन मलाई खाने वाले नेता संघर्ष के दौर में कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल खड़ा करके भाजपा में शामिल हो रहे है जो एक बेईमानी से ज्यादा कुछ नहीं है। वहीं दूसरी ओर यह भी सच है कि भाजपा को चुनौती भी कांग्रेस दे सकती है दूसरी कोई पार्टी नहीं। 2019 के चुनाव के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से राहुल गांधी का त्यागपत्र देना गलत फैसला था, उनको इस पद पर रहकर अपने राजनीतिक नेतृत्व क्षमता से आगे कार्य करना था। चुनाव में जीत हार एक सामान्य घटनाक्रम होता है। 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में राहुल के नेतृत्व में ही कांग्रेस ने भाजपा को उसके इस गढ़ में पानी पिला दिया था पर उस सफलता को कांग्रेस संभाल नहीं पाई।

अनेक तरह के राजनीतिक संकट में उलझी कांग्रेस का नेतृत्व इससे बाहर कैसे निकलेगा यह बड़ा सवाल कांग्रेस कार्यकर्ताओं में चर्चा का केन्द्र है। वर्तमान मोदी सरकार जनता से जुड़े अनेक मुद्दों पर विफल है पर मीडिया प्रोपोगंडा और संगठन मजबूत होने के कारण वह जनता में अपना प्रभाव बनाये हुए है। वास्तविकता के धरातल पर नोटबंदी हो या फिर कोरोना से उत्पन्न संकट यह फिर चीन नेपाल के साथ सीमा विवाद आदि मुद्दे पर वह कुछ बेहतर नहीं कर पाई। बेरोजगारी का ग्राफ बड़ा है मंहगाई आसमान छू रही है, अर्थव्यवस्था की कमर टूट चुकी है। जिस पर पर्दा डालने के लिये नये नये हथकंडों को उछालकर जनता का ध्यान बांटती है। भाजपा खुद 76 वर्षीय यदुरप्पा को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाती है पर वह सवाल कांग्रेस में उठाती है कि वहां युवाओं को आगे आने का मौका नहीं दिया जा रहा है।

बहरहाल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के पश्चात फिर कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर सवाल खड़े किये जा रहा है। जिस तरह की परिस्थितियां निर्मित है उसमें जी-23 के नेता जो मुद्दे उठाकर रहे है उसको उपेक्षित करने की जगह संपूर्ण घटनाक्रम को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखते हुए कांग्रेस को मौजूदा राजनीति की नब्ज को समझने और पकड़ने की जरूरत है। जो संगठन या पार्टी समय क अनुकुल नहीं बदल पाती उसको हमेशा निराशा हाथ लगती है। इस बात को कहने में कोई संकोच नहीं है कि राहुल गांधी हो या प्रियंका गांधी इनके जो भी राजनीतिक सलाहकार है, इनके पास व्यवहारिक राजनीतिक सोच की कमी है इसके पश्चात दोनों भाई बहन मेहनत करने के पश्चात भी पार्टी को बेहतर परिणाम देने में विफल है। कांग्रेस पार्टी राजनीति के जिस चौराहे पर खड़ी है वहां उसकी मजबूरी है कि वह 2024 के लिये राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियों के साथ गठबंधन करें। ताकि उसे राजनीतिक मजबूती मिल सके। क्षेत्रीय दलों का उदय ने कांग्रेस के वोट बैंक को प्रभावित किया है। जिसके कारण आज कांग्रेस को हर राज्य में अलग अलग तरह से राजनीतिक संघर्ष से गुजरना पड़ रहा है। कांग्रेस तभी मजबूत हो पायेगी जब वह अपना संगठनात्मक ढांचे को नये सिरे से मजबूत नहीं करती। पार्टी के पास जमीन पर काम करने वाले कार्यकार्ताओं एवं नेताओं की कमी है। जिसके कारण उसके जो योजनायें है, विचारधारा है आम जनमानस तक नहीं पहुंच पाती। देश के चारों कोने में निरंतर पराजय के पश्चात भी कांग्रेस का कार्यकर्ता आपको अंतिम छोर में खड़ा मिलेगा। ( लेखक- रहीम खान / ईएमएस )

# हमारे आँगना आओ ओरी गौरैया

( 20 मार्च गौरैया दिवस पर विशेष )

गौरैया हमारी प्राकृतिक सहचरी है। कभी वह हमारे आँगन और नीम के पेड़ के नीचे फुदकती और बिखेरे गए चावल या अनाज के दाने को चुगती। कभी प्यारी गौरैया घर की दीवार पर लगे आईने पर अपनी हमशक्ल पर चोंच मारती दिख जाती है। लेकिन बदलते वक्त के साथ गौरैया का बयां बेहद कम दिखाई नहीं देता है। एक वक्त था जब बबूल के पेड़ पर सैकड़ों की संख्या में घोसले लटके होते और गौरैया के साथ उसके चूजे चीं-चीं-चीं का शोर मचाते। बचपन की यादें आज भी जेहन में ताजा हैं लेकिन वक्त के साथ गौरैया एक कहानी बन गई है।

गौरैया इंसान की सच्ची दोस्त भी है और पर्यावरण संरक्षण में उसकी खास भूमिका भी है। दुनिया भर में 20 मार्च को गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद मो. ई. दिलावर के प्रयासों से इस दिवस को चुलबुली गौरैया के लिए रखा गया। 2010 में पहली बार यह दुनिया में मनाया गया। प्रसिद्ध उपन्यासकार भीष्म साहनी ने अपने बाल साहित्य में गौरैया पर बड़ी अच्छी कहानी लिखी है, जिसे उन्होंने गौरैया नाम दिया। हालांकि, जागरूकता की वजह से गौरैया की आमद बढ़ने लगी है। हमारे लिए यह शुभ संकेत है।

गौरैया एक घरेलू और पालतू पक्षी है। यह इंसान और उसकी बस्ती के पास अधिक रहना पसंद करती है। पूर्वी एशिया में यह बहुतायत पायीजाती है। यह अधिक वजनी नहीं होती हैं। इसका जीवन काल दो साल का होता है। यह पांच से छह अंडे देती है। आंध्र यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी से अधिक की कमी बताई गई थी। ब्रिटेन की 'रॉयल सोसाइटी आफ प्रॉटेक्शन आफ बर्डस' ने इस चुलबुली और चंचल पक्षी को 'रेड लिस्ट' में डाल दिया था ।

गौरैया पासेराडेई परिवार की सदस्य है। लेकिन इसे वीवरपिंच परिवार का भी सदस्य माना जाता है। इसकी लंबाई 14 से 16 सेंटीमीटर होती है। इसका वजन 25 से 35 ग्राम तक होता है। यह अधिकांश झुंड में रहती है। यह अधिक दो मिल की दूरी तय करती है। गौरैया को अंग्रेजी में पासर डोमेस्टिकस के नाम से बुलाते हैं। शहरी हिस्सों में इसकी छह प्रजातियां पायी जाती हैं जिसमें हाउस स्पैरो, स्पेनिश, सिंड स्पैरो, रसेट, डेड और टी स्पैरो शामिल हैं। यह यूरोप, एशिया के साथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के अधिकतर हिस्सों में मिलती है।

बढ़ती आबादी के कारण जंगलों का सफाया हो रहा है। ग्रामीण इलाकों में पेड़ काटे जा रहे हैं। ग्रामीण और शहरी इलाकों में बाग-बगीचे खत्म हो रहे हैं। इसका सीधा असर इन पर दिख रहा है। गांवों में अब पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। जिसका कारण है कि मकानों में गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। पहले गांवों में कच्चे मकान बनाए जाते थे, उसमें लकड़ी और दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता था। कच्चे मकान गौरैया के लिए प्राकृतिक वातावरण और तापमान के लिहाज से अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते थे, लेकिन आधुनिक मकानों में यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं होती है। यह पक्षी अधिक तापमान में नहीं रह सकता है। गगनचुंबी ऊंची इमारतें और संचार क्रांति इनके लिए अभिशाप बन गई। शहर से लेकर गांवों तक मोबाइल टावर एवं उससे निकलते रेडिएशन से इनकी जिंदगी संकट में है।

खेती-किसानी में रसायनिक उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग बेजुबान पक्षियों और गौरैया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। केमिकलयुक्त रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से कीड़े मकोड़े भी विलुप्त हो चले हैं। जिससे गौरैया के लिए भोजन का भी संकट खड़ा हो गया है। दूसरा बड़ा कारण मकर सक्रांति पर पतंग उत्सवों के दौरान काफी संख्या में हमारे पक्षियों की मौत हो जाती है। पतंग की डोर से उड़ने के दौरान इसकी जद में आने से पक्षियों के पंख कट जाते हैं। हवाई मार्गो की जद में आने से भी इनकी मौत हो जाती है। दूसरी तरफ बच्चों की ओर से चिड़ियों को रंग दिया जाता है। जिससे उनका पंख गीला हो जाता है और वे उड़ नहीं पाती। हिंसक पक्षी जैसे बाज़ इत्यादि हमला कर उन्हें मौत की नींद सुला देते हैं। दुनिया भर में प्रसिद्ध पर्यावरणविद मोहम्मद ई. दिलावर नासिक से हैं और वह बाम्बे नैचरल हिस्ट्री सोसाइटी से जुड़े हैं। उन्होंने यह मुहिम 2008 से शुरू की थी। आज यह दुनिया के 50 से अधिक मुल्कों तक पहुंच गई है।

गौरैया के संरक्षण के लिए सरकारों की तरफ से कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखती है। हालांकि, यूपी में 20 मार्च को गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में रखा गया है। दिलावर के विचार में गौरैया संरक्षण के लिए लकड़ी के बुरादे से छोटे-छोटे घर बनाए जाएं और उसमें खाने की भी सुविधा भी उपलब्ध हो। अमेरिका और अन्य विकसित देशों में पक्षियों का ब्योरा रखा जाता है लेकिन भारत में ऐसा नहीं हैं। पक्षियों के संरक्षण के लिए कॉमन बर्ड मॉनिटरिंग आफ इंडिया के नाम से साइट बनाई है जिस पर आप भी पक्षियों से संबंधी जानकारी और आंकड़ा दे सकते हैं। कुछ सालों से उनकी संस्था गौरैया को संरिक्षत करने वालों को स्पैरो अवॉर्ड्स देती है।

विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम ने हमारे सामने कई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। जिससे निपटना हमारे लिए आसान नहीं है। विकास की महत्वाकांक्षी इच्छाओं ने हमारे सामने पर्यावरण की विषम स्थिति पैदा की है। जिसका असर इंसानी जीवन के अलावा पशु-पक्षियों पर साफ दिखता है। इंसान के बेहद करीब रहने वाली कई प्रजाति के पक्षी और चिड़िया आज हमारे बीच से गायब हैं। उसी में एक है स्पैरो यानी नन्ही सी वह गौरैया। समय रहते इन विलुप्त होती प्रजाति पर ध्यान नहीं दिया गया तो वह दिन दूर नहीं जब गिद्धों की तरह गौरैया भी इतिहास बन जाएगी और यह सिर्फ गूगल और किताबों में ही दिखेगी। सिर्फ सरकार के भरोसे हम इंसानी दोस्त गौरैया को नहीं बचा सकते हैं। प्रकृति प्रेमियों को अभियान चलाकर लोगों को मानव जीवन में पशु-पक्षियों के योगदान की जानकारी देनी होगी। इसके अलावा स्कूली पाठयक्रमों में हमें गौरैया और दूसरे पक्षियों को शामिल करना होगा।

( स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार )

( लेखक - प्रभुनाथ शुक्ल/ईएमएस )

### आज का इतिहास 20 मार्च

- 1351 मुहम्मद तुगलक शाह द्वितीय की मौत.
- 1602 ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन.
- 1616 सर वाल्टर रैले को टॉवर ऑफ लंदन से रिया.
- 1784 हालैंड ने नागपटनम अंग्रेजो के हवाले किया
- 1815 नेपोलियम बोनापार्ट पेरिस पंहुचा.
- 1849 बावरिया नरेश लुडविग प्रथम ने गद्दी छोड़ी.
- 1916 तुर्की के विभाजन के बारे में मित्र राष्ट्रों में सहमति हुई.
- 1952 दक्षिण अफ्रीका के सुप्रीम कोर्ट ने नस्ली कानूनों को अवैध करार दिया.
- 1956 फ्रांस ने टयूनिशिया की स्वतंत्रता को मान्यता प्रदान की
- 1990 नामीबिया दक्षिण अफ्रीका से स्वतंत्र हुआ.

### दैनिक पंचांग

**20 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**




| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | मीन में | मीन | 05.49 बजे से |
| चंद्र | कन्या में | मेष | 07.23 बजे से |
| मंगल | मकर में | वृष | 09.03 बजे से |
| बुध | कुंभ में | मिथुन | 11.01 बजे से |
| गुरु | कुंभ में | कर्क | 13.15 बजे से |
| शुक्र | मकर में | सिंह | 15.31 बजे से |
| शनि | मकर में | कन्या | 17.43 बजे से |
| राहु | वृष में | तुला | 19.53 बजे से |
| केतु | वृश्चिक में | वृश्चिक | 22.08 ब.से |
| | | धनु | 00.24 बजे से |
| | | मकर | 02.29 बजे से |
| | | कुंभ | 04.16 बजे से |

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

**रविवार** 2022 वर्ष का 79 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 10.07 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 22.40 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 18.33 बजे को समाप्त। **करण** गर 10.07 बजे तदनन्तर वणिज 21.15 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 00° 15' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871193 **जूलियन दिन** 2459658.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** सावान **तारीख** 16 **विशेष** भाई दूज, रानी अवंतीबाई लोधी बलिदान दिवस।

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| उद्वेग | 05.56 से 07.23 बजे तक | शुभ | 05.36 से 07.09 बजे तक |
| चर | 07.23 से 08.51 बजे तक | अमृत | 07.09 से 08.41 बजे तक |
| लाभ | 08.51 से 10.18 बजे तक | चर | 08.41 से 10.14 बजे तक |
| अमृत | 10.18 से 11.46 बजे तक | रोग | 10.14 से 11.46 बजे तक |
| काल | 11.46 से 01.14 बजे तक | काल | 11.46 से 01.19 बजे तक |
| शुभ | 01.14 से 02.41 बजे तक | लाभ | 01.19 से 02.51 बजे तक |
| रोग | 02.41 से 04.09 बजे तक | उद्वेग | 02.51 से 04.24 बजे तक |
| उद्वेग | 04.09 से 05.36 बजे तक | शुभ | 04.24 से 05.53 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## वनडे मैचों का दोहरा शतक बनाने भारत की दूसरी महिला क्रिकेटर बनी झूलन गोस्वामी

ईडन पार्क ( ईएमएस )। भारत की महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप-2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में उतरते ही इतिहास रच दिया। वह वनडे मैचों का दोहरा शतक बनाने वाली दुनिया और भारत की दूसरी महिला क्रिकेटर बन गई हैं। उनसे पहल मुकाम तक भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर हैं। झूलन पिछले मैच में वनडे में 250 विकेट पूरा करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी थीं। मैच में टॉस के साथ ही उन्होंने मैचों का दोहरा शतक पूरा किया। उनकी साथ मिताली राज के नाम फिलहाल 234 मैच दर्ज हैं, और वह सबसे अधिक मैच खेलने वाली क्रिकेटर हैं।

इस तरह सबसे अधिक मैच खेलने वाले दो महिला क्रिकेटर भारत की हैं। 191 मैचों के साथ तीसरे नंबर पर इंग्लैंड की चर्लोट एडवर्ड्स हैं, जबकि द.अफ्रीका की मिगनन डू प्रीज हैं। प्रीज ने 150 वनडे खेल चुकी हैं। 5वें नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की ब्लैवेल हैं। उन्होंने 144 मैच खेले हैं, उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में 7 विकेट पर 277 रन बनाए। मिताली राज ( 68 ), हरमनप्रीत कौर ( 57* ) और यस्तिका भाटिया ( 59 ) ने हाफ सेंचुरी जड़ी, जिसके दम पर भारत शुरुआती झटकों के बावजूद सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सका।

# खेल - समाचार

## 27 अगस्त से 11 सितंबर के बीच होगा एशिया कप 2022 का आयोजन

भारत और पाकिस्तान के बीच होगा मुकाबला

कोलंबो ( ईएमएस )। एशिया कप 2022 के आयोजन की तारीख तय हो गई है। शनिवार को कोलंबो में हुई एशियन क्रिकेट काउंसिल की बैठक में इस पर मुहर लगी। टूर्नामेंट का आयोजन श्रीलंका में होगा, और यह टी20 फॉर्मेट के आधार पर खेला जाएगा। टूर्नामेंट के मुकाबले अगस्त-सितंबर में होने हैं। टूर्नामेंट पर सभी निगाहें इस कारण भी लगी हुई हैं, क्योंकि भारत और पाकिस्तान दोनों ही टीमें इसमें उतरेंगी। इस साल टी20 वर्ल्ड कप होना है। आईसीसी टूर्नामेंट के लिए भी भारत और पाकिस्तान दोनों को एक ही ग्रुप में रखा गया है।

एशिया कप का आयोजन 27 अगस्त से 11 सितंबर तक होना है। टूर्नामेंट के क्वालिफायर्स 20 अगस्त से खेले जाएंगे। कोरोना के कारण टूर्नामेंट का आयोजन पिछले साल नहीं हो सका था। इससे पहले इसका आयोजन कोरोना के कारण 2020 में भी नहीं हो सका था। अंतिम बार टूर्नामेंट का आयोजन 2018 में वनडे फॉर्मेट में यूएई में हुआ था। भारत ने बांग्लादेश को 3 विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा किया था।

श्रीलंका में होने वाले टूर्नामेंट में कुल 6 टीमें उतरेंगी। इसमें से 5 टीमें तय हो गई हैं। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें क्वालिफाई कर चुकी हैं। छठी टीम पर फैसला क्वालिफायर्स से होगा। क्वालिफायर में हांगकांग, कुवैत, सिंगापुर और यूएई की टीमें उतरेंगी। यह टूर्नामेंट का 15वां सीजन है। पहली बार टूर्नामेंट का आयोजन 1984 में यूएई में कराया गया था। भारतीय टीम चैंपियन बनी थी।ओवरऑल एशिया कप के रिकॉर्ड में भारतीय टीम सबसे सफल टीम है। भारत ने 7 बार टूर्नामेंट अपने नाम किया है। इसके अलावा श्रीलंका की टीम भी 5 बार टाइटल जीतने में सफल रही है। पाकिस्तान ने 2 बार खिताब पर कब्जा किया है। पिछले साल यूएई में हुए टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान ने भारत को 10 विकेट से करारी मात दी थी।

## बल्लबाजी रही दमदार, लेकिन गेंदबाजी की कमी से मिली हार : मिताली

नई दिल्ली ( ईएमएस )। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड में खेले जा रहे वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। भारत को ऑस्ट्रेलिया ने अहम मुकाबले में 3 गेंद रहते 6 विकेट से हरा दिया।

ऑस्ट्रेलिया से मिली हार से भारतीय कप्तान मिताली राज भी निराश नजर आईं। उन्होंने बताया कि आखिर टीम ने कहां गलती की और क्यों मुकाबले में हार झेलनी पड़ी। मिताली ने कहा, जब आप हारते हैं,तब आपको हमेशा लगता है कि आपने 10-15 रन कम बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने जिस तरह लक्ष्य का पीछा करने की शुरुआत की, वहां मैंच में हमसे आगे थे। जरूरत पड़ने पर हमारी फील्डर्स ने गेंदबाजों का साथ नहीं दिया। यह उन दिनों में से एक था, जब हमारे गेंदबाजों ने एक यूनिट के तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। लेकिन वे पिछले चार-पांच मैचों से वहां हमारे अच्छा कर रहे हैं।

मिताली ने कहा, आज के मुकाबले में हमारी बल्लेबाजी अच्छी रही। लेकिन गेंदबाज उतने रंग में नजर नहीं आए। हमने खुद को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है कि हमारे लिए अगले दो मुकाबले बेहद अहम हो गए हैं। हमें इन दोनों मुकाबलों में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। इसके लिए खेल के हर डिपार्टमेंट में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। मैं उन सभी भारतीयों का धन्यवाद देना चाहती हूं, जो इस मुकाबले को देखने आए और हमारी हौसला बढ़ाया।

## मिताली ने विश्वकप में सर्वाधिक बार लगाया अर्धशतक

ऑकलैंड ( ईएमएस )। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने शनिवार को एक और नया रिकॉर्ड अपने नाम किया। मिताली महिला विश्व कप में संयुक्त रूप से सर्वाधिक 50 से अधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। मिताली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी 2022 महिला क्रिकेट विश्व कप मैच में 96 गेंदों पर 68 रन की पारी खेली यह उपलब्धि हासिल की। मिताली ने 12 बार 50 से अधिक का स्कोर बनाने के साथ न्यूजीलैंड की पूर्व क्रिकेटर डेबी हॉकले के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। सर्वाधिक 50 से अधिक स्कोर बनाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में इंग्लैंड की शार्लेट एडवर्ड्स ( 11 ), ऑस्ट्रेलिया की करेन रोल्टन ( 9 ) और न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स ( 8 ) भी शामिल हैं।

## क्रेग ब्रैथवेट और ब्लैकवुड ने जड़ा सैकड़ा, वेस्टइंडीज का इंग्लैंड को करारा जबाव

ब्रिजटाउन ( ईएमएस )। मेजबान वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के विरुद्ध दूसरे टेस्ट मैच में शुक्रवार को तीसरे दिन के खेल के बाद 4 विकेट पर 288 रन बनाकर करारा जबाव दिया । कप्तान क्रेग ब्रैथवेट और जर्मेन ब्लैकवुड ने शानदार शतक जड़े। केनसिंग्टन ओवल की सपाट पिच पर इस टेस्ट में 3 दिन के खेल बाद सिर्फ 13 विकेट गिरे हैं और यह मैच भी सीरीज के पहले मुकाबले की तरह ड्रॉ की ओर बढ़ रहा है। क्रेग ब्रैथवेट और ब्लैकवुड ने चौथे विकेट के लिए धैर्य से खेलते हुए 183 रन की साझेदारी की और इंग्लैंड के गेंदबाजों को लगभग 68 ओवर तक सफलता से दूर रखा। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 507 रन पर घोषित की थी। वेस्टइंडीज की टीम अभी 219 रन से पिछड़ रही है और उसके 6 विकेट शेष हैं।

स्टंप्स के समय ब्रैथवेट 109 ( 337 गेंद में 12 चौके ) और नाइट वॉचमैन अल्जारी जोसेफ चार रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। ब्लैकवुड ने 215 गेंद की पारी में 11 चौके जड़े। वेस्टइंडीज की टीम ने दिन की शुरुआत एक विकेट पर 71 रन से आगे से लेकिन जैक लीच ने शामराह ब्रूक्स ( 39 ) को क्रिस वोक्स के हाथों कैच करा कर दिन की पहली सफलता दिलाई। इसके बाद स्टोक्स ने पिछले मैच के शतकवीर नक्रुमाह बोनर ( 9 ) को पगबाधा कर वेस्टइंडीज को तीसरा झटका दिया। इस समय टीम का स्कोर तीन विकेट पर 101 रन था। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने इसके बाद आक्रामक गेंदबाजी करना जारी रखा लेकिन ब्लैकवुड और ब्रैथवेट की सधी बल्लेबाजी के सामने उन्हें ज्यादा मौका नहीं मिला। कामचलाऊ गेंदबाज डेन लॉरेंस ने दिन के आखिरी सत्र में ब्लैकवुड को एलबीडब्ल्यू आउट कर मैच में इंग्लैंड की वापसी कराई।

## दक्षिण अफ्रीका ने अपने ही घर में बांग्लादेश से मुंह की खाई

नई दिल्ली ( ईएमएस )। दक्षिण अफ्रीका ने अपने ही घर में बांग्लादेश से मुंह की खाई। बांग्लादेश ने सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट्स पार्क में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को उसी की धरती पर हराकर इतिहास रच दिया है। दक्षिण अफ्रीका को पहले मुकाबले में 38 रनों से हार मिली। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शाकिब हसन, लिटन दास और यासिर अली की अर्धशतकीय पारियों के दम पर निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 314 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 276 रन पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश की ओर से महेदी हसन ने 61 रन देकर चार विकेट झटके। 77 रनों की विस्फोटक पारी खेलने वाले शाकिब अल हसन को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम को कप्तान तमिम इकबाल और विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास ने शानदार शुरुआत दिलाई है। दोनों खिलाड़ियों ने पहले विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी निभाई। तमिम 41 रन बनाकर एंडिले फुलक्वायो की गेंद पर पगबाधा हो गए। इसके बाद तीसरे नंबर पर उतरे शाकिब अल हसन ने विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने 64 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के की मदद से 77 रन बनाए। उनके अलावा लिटन दास ने 50 और यासिर अली ने भी 50 रनों की पारी खेली। बांग्लादेश ने आखिरी 20 ओवर में 180 से ज्यादा रन जोड़े। बांग्लादेश का यह दक्षिण अफ्रीका की धरती पर वनडे में सर्वोच्च स्कोर है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफ्रीकी टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज जानेमन मलान सिर्फ चार रन बनाकर शोरिफुल इस्लाम का शिकार बने। वहीं, स्टार बल्लेबाज एडेन मार्करम बिना खाता खोले ही आउट हो गए। एक समय अफ्रीकी टीम 36 रन पर तीन विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी। कप्तान तेम्बा बावुमा ( 31 ) ने रासी वैन डर डुसेन के साथ चौथे विकेट के लिए 85 रन बनाकर स्थिति को संभाला। बावुमा भी इस्लाम के शिकार बने। इसके बाद 5वें विकेट के लिए रासी और डेविड मिलर ने 60 रनों की साझेदारी निभाई। रासी ने अफ्रीकी टीम की तरफ से सबसे ज्यादा 86 रन बनाए। वहीं, मिलर ने 57 गेंदों में आठ चौके तीन छक्के की मदद से 79 रनों की पारी खेली।

## टेनिसः सिमोना हालेप को सेमीफाइनल में पराजित

इंडियन वेल्स ( ईएमएस )। पोलैंड की 20 वर्षीय टेनिस सितारा खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने अद्भुत खेल का प्रदर्शन करते हुए ओपन टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में जगह बना ली। उन्होंने सेमीफाइनल में रोमानिया की सिमोना हालेप को मात दी। स्वियातेक ने हर सेट में वापसी करते हुए हालेप को 7-6, 6-4 से शिकस्त दी और इंडियन वेल्स में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। पूर्व नंबर-1 सिमोना हालेप इस मुकाबले में संघर्ष करती नजर आईं। वह एक वक्त बढ़त बना चुकी थीं लेकिन स्वियातेक ने दमदार प्रदर्शन करते हुए वापसी की। स्वियातेक ने पहले सेट को 7-6 से जीता और फिर अगले सेट में 6-4 से जीत दर्ज करते हुए फाइनल का टिकट कटाया। गत चैंपियन पाउला बाडोसा शनिवार की रात दूसरे सेमीफाइनल में मारिया सकारी के सामने होंगी।

# पाक में इमरान खान की सत्ता पलटने की तैयारी पर बवाल

-24 असंतुष्ट विधायक अविश्वास प्रस्ताव पर खिलाफ में कर सकते हैं मतदान

-अब 21 मार्च को नेशनल असेंबली का सत्र बुलाए जाने की उम्मीद

इस्लामाबाद( ईएमएस )। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अपनी सरकार को बचाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। उनकी ही पार्टी के 24 असंतुष्ट विधायक संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर उनके खिलाफ मतदान कर सकते हैं, जबकि उनके दो सहयोगी राजनीतिक संकट को हल करने के लिए माइनस इमरान खान का फार्मूला दिया है। अब 21 मार्च को नेशनल असेंबली का सत्र बुलाए जाने की उम्मीद है और मतदान 28 मार्च को होने की संभावना है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ( पीएमएल-एन ) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ( पीपीपी ) के लगभग 100 सांसदों ने 8 मार्च को नेशनल असेंबली सचिवालय के सामने एक अविश्वास प्रस्ताव पेश किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ( पीटीआई ) सरकार इमरान खान के नेतृत्व में देश में आर्थिक संकट और बढ़ती मुद्रास्फीति के लिए जिम्मेदार है। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान ( मक्यूएम-पी ) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद ( पीएमएल-क्यू ), इमरान की पीटीआई के दो सहयोगी दलों ने वोटिंग से पहले मौजूदा सरकार को बचाने के लिए इमरान खान को हटाकर सरकार बचाने का फार्मूला पेश किया है।

मक्यूएम-पीके संयोजक खालिद मकबूल सिद्दीकी ने बताया कि मौजूदा घटनाक्रम के बाद, उन्हें लगता है कि प्रधानमंत्री इमरान खान को अब पीएमओ में रहने का कोई फायदा नहीं है। सिद्दीकी ने कहा कि यह सामने आने के बाद कि 24 पीटीआई विधायक सिंध हाउस में रह रहे हैं, प्रधानमंत्री के लिए अविश्वास प्रस्ताव से बचना बहुत मुश्किल है, लेकिन पीटीआई के सीनियर नेता और विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि पार्टी में माइनस वन के लिए कोई जगह नहीं है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एक अफवाह चल रही थी कि इमरान खान के अलावा सब कुछ ठीक है। अगर हम माइनस वन की ओर जाते हैं तो सब कुछ बचाया जा सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पीटीआई में माइनस वन के लिए कोई जगह नहीं है, यह कहते हुए कि अगर किसी को कोई गलतफहमी है, तो उन्हें इसे दूर करना चाहिए। कुरैशी ने असंतुष्ट सांसदों, जिनमें इस्लामाबाद के सिंध हाउस में रहने वाले लोग भी शामिल हैं, से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सांसदों को कानून और संविधान के साथ-साथ पीटीआई के जनादेश के बारे में पता है। 69 साल के इमरान खान गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं और अगर कुछ सहयोगी दल इमरान को बदलने का फैसला करते हैं तो उन्हें हटाया जा सकता है।

# अमेरिकी सांसदों की मांग भारत पुतिन के खिलाफ बयान दे

वाशिंगटन ( ईएमएस )। अमेरिकी सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने भारत से यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया। कांग्रेस सदस्य जो विल्सन और भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना के नेतृत्व में सांसदों ने अमेरिका में भारत के शीर्ष राजदूत तरनजीत सिंह संधू को फोन करके मामले पर चर्चा की। खन्ना ने कहा कि उन्होंने विल्सन के साथ मिलकर राजदूत संधू से बात कर भारत से यूक्रेन में नागरिकों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा निशाना बनाए जाने के खिलाफ आवाज उठाए जाने का आग्रह किया। उन्होंने ट्वीट किया, दोनों दलों में भारत के मित्र उससे शांति के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करने का आग्रह कर रहे हैं।'दो दिनों में यह दूसरी बार है, जब अमेरिकी सांसदों ने भारत से यूक्रेन के खिलाफ सैन्य हमले को लेकर रूस की निंदा करने का आग्रह किया है।एक दिन पहले, दो सांसदों टेड डब्ल्यू लियू और टॉम मालिनोवस्की ने भारत से रूस की निंदा करने का आग्रह किया था। उन्होंने संधू को लिखे एक पत्र में कहा, हालांकि हम रूस के साथ भारत के संबंधों को समझते हैं, हम संयुक्त राष्ट्र महासभा के दो मार्च के मतदान से दूर रहने के आपकी सरकार के फैसले से निराश हैं।

# यूक्रे-रूस जंग समाप्त करने की कूटनीति में शामिल होने को भारत तैयार

जिनेवा ( ईएमएस )। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन में जंग को खत्म करने संबंधी कूटनीति में शामिल होने के लिए भारत सहर्ष तैयार है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत आने वाले दिनों में सुरक्षा परिषद के साथ-साथ संबंधित पक्षों में इन उद्देश्यों को जारी रखने के लिए तैयार हैं। मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की दोनों से बात की है और उनसे सीधी बातचीत करने का आग्रह किया है। अंडर-सेक्रेटरी-जनरल रोजमेरी डिकार्लो ने कहा कि लाखों निवासियों के भाग्य के बारे में गंभीर आशंका है, जो तीव्र हमलों का सामना कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत में कुछ सकारात्मक विकास हुए हैं, लेकिन इसका कोई फल नहीं निकला है।

उन्होंने कहा, 'इस हफ्ते, यूक्रेन और रूस के प्रतिनिधियों के बीच चल रही सीधी बातचीत के संबंध में सकारात्मक संकेत मिले हैं। हम इस तरह की सभी व्यस्तताओं का स्वागत करते हैं।' वार्ताकारों के बाद, रूस के व्लादिमीर मेडिंस्की और यूक्रेन के मायखाइलो पोडोलीक ने वीडियो वार्ता का एक दौर आयोजित किया था। जेलेंस्की ने कहा, 'मुझे सूचित किया गया है, बातचीत के दौरान स्थिति पहले से ही अधिक यथार्थवादी लगती है।' रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने 22-दिवसीय युद्ध में आशावाद का एक नोट पेश करते हुए कहा कि वे एक समझौते के करीब हैं। तिरुमूर्ति ने कहा, 'हम पूरे यूक्रेन में शत्रुता को तत्काल समाप्त करने के अपने आह्वान को दोहराते हैं।' उन्होंने कहा कि मानवीय सहायता का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और इसे मानवता, तटस्थता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए। मानवीय संकट को कम करने में योगदान देने के लिए तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत पहले ही 1 मार्च से यूक्रेन और उसके पड़ोसियों को 90 टन से अधिक राहत आपूर्ति भेज चुका है। उन्होंने कहा, हम इस तरह की अन्य जरूरतों की पहचान करने और आने वाले दिनों में और आपूर्ति भेजने की प्रक्रिया में हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ( डब्ल्यूएचओ ) के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्येयियस ने यूक्रेन में स्वास्थ्य आपदा की रूपरेखा बताते हुए कहा, 'अब हमें जिस जीवन रक्षक दवा की जरूरत है वह है शांति।' उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ ने स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं पर 43 हमलों की पुष्टि की है, जिसमें स्वास्थ्य कर्मियों सहित 12 लोगों की मौत और 34 घायल हुए हैं। अमेरिका की स्थायी प्रतिनिधि लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि वह यूक्रेन के नागरिक समाज के नेताओं से मिली थीं, जिन्होंने आतंक की सूचना दी थी। वह आतंक जो रूस पूरे यूक्रेन में फैला रहा है, जिसमें ब्रेड लाइन में खड़े लोगों की शूटिंग भी शामिल है।

चीन के स्थायी प्रतिनिधि झांग जून ने कहा कि संघर्ष विराम का मौका उभर रहा है। रूस के स्थायी प्रतिनिधि वसीली नेबेंजिया ने यूक्रेन में मानवीय संकट को स्वीकार किया, लेकिन रूस द्वारा चिकित्सा सुविधाओं या लोगों को आश्रय देने वाले थिएटर या मस्जिद जैसी जगहों पर हमला करने के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'हमें खेद है कि यूक्रेन हमेशा रूस के खिलाफ संघर्ष में एक मोहरा रहा है और अभी भी एक मोहरा बना हुआ है।'

# देश का विदेशी मुद्रा भंडार 9.65 अरब डॉलर घटा

मुंबई ( ईएमएस )। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 मार्च को समाप्त सप्ताह में 9.646 अरब डॉलर कम होकर 622.275 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक ( आरबीआई ) ने यह जानकारी दी। इससे पूर्व चार मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 39.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 631.92 अरब डॉलर पहुंच गया था। इससे पूर्व तीन सितंबर, 2021 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 642.453 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर जा पहुंचा था। आरबीआई द्वारा जारी ?किए गए साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों ( एफसीए ) के घटने की वजह से आई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। आंकड़ों के अनुसार 11 फरवरी को समाप्त सप्ताह में एफसीए 11.108 अरब डॉलर घटकर 554.359 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्रा के मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार 1.522 अरब डॉलर बढ़कर 43.842 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ( आईएमएफ ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार ( एसडीआर ) 5.3 करोड़ डॉलर घटकर 18.928 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 70 लाख डॉलर घटकर 5.146 अरब डॉलर रह गया।

## अगले साल 77.5 प्रति डॉलर तक टूट सकता है रुपया

मुंबई ( ईएमएस )। चालू खाते का घाटा ( कैड ) बढ़ने, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी के चलते रुपए पर दबाव बढ़ने का अनुमान है। क्रिसिल रेटिंग की रिपोर्ट के अनुसार स्थानीय मुद्रा मार्च 2023 तक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 77.5 के स्तर तक टूट सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक मार्च-2022 में डॉलर के मुकाबले रुपया 76.5 पर रह सकता है। रेटिंग एजेंसी द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक रुपया पहले ही बाहरी तनावों का सामना कर रहा है और हमारा मानना है कि मार्च, 2023 तक इसमें और मूल्यह्रास होगा तथा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले यह लगभग 77.5 के स्तर पर आ जाएगा। क्रिसिल ने कहा कि कमजोरी में दो कारकों की प्रमुख भूमिका होगी। एक उच्च ऊर्जा कीमतें चालू खाते के घाटे को बढ़ा रही हैं।

# युद्धग्रस्त देश यूक्रेन के गृहमंत्री बोले- बम-गोलों और बारूदी सुरंगों को निष्क्रिय करने में लगेंगे वर्षों

कीव ( ईएमएस )। रूस की मिसाइलों और बमों के धमाकों के जूझ रहे युद्धग्रस्त देश यूक्रेन के गृह मंत्री डेनिस मोनास्तिरस्की ने कहा कि रूसी बलों द्वारा देश में बरसाये गए उन बम-गोले और बरूदी सुरंगों को निष्क्रिय करने में सालों लगेंगे, जो फट नहीं पाए हैं। घिर चुके कीव में मीडिया से बातचीत में मोनास्तिरिस्की ने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद इस भारी-भरकम काम को अंजाम देने के लिए यूक्रेन को पश्चिमी देशों की मदद की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने कहा, यूक्रेन पर बड़ी संख्या में बम-गोले बरसाए गए हैं। इनमें से कई में विस्फोट नहीं हो सका था। मलबे के नीचे दबे ऐसे हथियार एक वास्तविक खतरा हैं। इन्हें निष्क्रिय करने में महीनों नहीं, वर्षों लगेंगे।

मोनास्तिरिस्की के मुताबिक बिना फटे रूसी विस्फोटकों के अलावा ऐसी बारूदी सुरंगें भी खतरे का सबब हैं, जिन्हें यूक्रेनी बलों ने पुलों, हवाईअड्डों और अन्य अहम बुनियादी ढांचों को रूसी नियंत्रण से बचाने के लिए बिछाया है। उन्होंने कहा, हम अकेले दम पर उस पूरे क्षेत्र में बिछी बारूदी सुरंगों को हटाने में सक्षम नहीं होंगे, इसलिए मैंने अमेरिका और यूरोपीय संघ के अपने सहयोगियों व अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से युद्ध प्रभावित इलाकों में ऐसे विस्फोटकों को निष्क्रिय करने के लिए विशेषज्ञों का समूह तैयार करने की अपील की है। मोनास्तिरिस्की के अनुसार रूसी बलों द्वारा लगातार जारी हमलों से लगी आग से निपटना भी एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने बताया कि रूसी गोलीबारी और उससे लगी आग पर काबू पाने के लिए कर्मचारियों और संसाधनों की भारी कमी है। रूसी बलों ने यूक्रेन के पश्चिमी शहर लवीव के बाहरी इलाकों में स्थित उन गलियारों को निशाना बनाया, जिनका इस्तेमाल नागरिक युद्धग्रस्त शहर से बाहर निकलने और एजेंसियां वहां मदद पहुंचाने के लिए कर रही हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यूक्रेन के बंदरगाह शहर मारियुपोल में रूसी हमले के शिकार थिएटर में लोगों को बचाने का कार्य शुक्रवार को भी जारी रहा। अधिकारियों ने थिएटर से 130 लोगों को सुरक्षित निकाले जाने की जानकारी दी, जबकि सैकड़ों अन्य अब भी लापता हैं।

यूएन में रूस के उप-राजदूत ने ट्विटर अकाउंट बंद होने का दावा किया जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र ( यूएन ) में रूस के पहले उप-राजदूत दमित्री पोलयंस्की ने शुक्रवार को दावा किया कि ट्विटर ने मारियुपोल के एक प्रसूती अस्पताल पर हुए हमले से जुड़े ट्वीट को लेकर उन पर 'उत्पीड़न और अत्याचार' का आरोप लगाते हुए उनका अकाउंट ब्लॉक कर दिया है। यूएन सुरक्षा परिषद की बैठक के बाद संवाददाताओं से मुखातिब पोलयंस्की ने कहा, यह बहुत ही निंदनीय है। इससे स्पष्ट है कि ट्विटर प्रेस की आजादी और सूचनाओं के मुक्त प्रवाह को कितनी अहमियत देता है। ट्विटर पर पोलयंस्की के 22 हजार से अधिक फॉलोअर थे। उन्होंने सात मार्च को ट्वीट किया था कि चरमपंथियों ने अस्पताल को सैन्य अड्डे में तब्दील कर दिया था और यूएन का बिना प्रमाणन के दुष्प्रचार फैलाना चिंताजनक है।

## रूसी ने हाइपरसोनिक मिसाइलों से पश्चिमी यूक्रेन में किया हमला, अंडरग्राउंड शस्त्रागार डिपो तबाह

कीव ( ईएमएस )। यूक्रेन और रूसी के युद्ध 23वें दिन भी जारी है। दोनों देशों के बीच चल रहे महायुद्ध पर पूरी दुनिया की नजरें हैं। सभी इस उम्मीद में है कि रूस जल्द ही यूक्रेन से अपने सैनिकों की वापसी का आदेश देगा। इस बीच शनिवार को रूस ने माना कि उसके सैनिकों ने पश्चिमी यूक्रेन पर हाइपरसोनिक मिसाइलों से हमला किया है। इस हमले में यूक्रेन का हथियारों से भरा अंडरग्राउंड स्टेशन तबाह हो गया है। यूक्रेन ने भी दावा किया है कि रूसी हमले में अब तक 112 मामूमों की जान जा चुकी है। समाचारों में रूस के रक्षा मंत्रालय के हवाले से जानकारी दी कि उसने यूक्रेन वेंः इवानो-फ्रैंकिव्स्क क्षेत्र में हाइपरसोनिक मिसाइलों से यूक्रेन के हथियारों से भरा अंडरग्राउंड डिपो तबाह कर दिया है। इस डिपो में मिसाइलों और गोला-बारूद का जखीरा था। रूसी सैनिक इस हमले को बड़ी सफलता के रूप में देख रहे हैं।

समाचार के मुताबिक, यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार देर रात कहा कि उसने ठअस्थायी रूप सेठ आजोव सागर तक पहुंच खो दी है क्योंकि रूसी सेना प्रमुख बंदरगाह मारियूपोल के आसपास अपनी पकड़ मजबूत कर चुकी है। यूक्रेन ने शनिवार को दावा किया कि रूसी सैनिकों ने अब तक किए हमले में आम नागरिकों को भी निशाना बनाया है। इस हमले में अब तक यूक्रेन के 112 मासूमों की मौत हो चुकी है।

## जूम कॉल बना नौकरी छीनने का नया जरिया, 3 मिनट में गई 800 की नौकरी

लंदन ( ईएमएस )। बेरोजगारी के इस दौर में जूम कॉल लोगों की नौकरी छीनने का नया जरिया बन रहा है। इसके जरिए नौकरी से निकालने का एक नया ट्रेंड शुरू हो गया है। अब ब्रिटेन की एक कंपनी के इसी तरह 800 लोगों को नौकरी से निकालने की खबर सामने आई है। जबकि कुछ ही महीने पहले एक कंपनी 900 लोगों की छंटनी जूम कॉल पर कर चुकी है। ब्रिटेन की शिपिंग कंपनी पीएंडओ फेरीज के जूम कॉल पर अपने 800 एम्प्लॉइज को टर्मिनेट करने की खबर है। ऐसा करने वाली वह दूसरी कंपनी है। नौकरी लील लेने वाली ये जूम कॉल सामान्य वीडियो कॉल से कम समय की थी। खबर के मुताबिक महज 3 मिनट में ही कंपनी ने इतने सारे लोगों को नौकरी से निकाल दिया।

शिपिंग कंपनी ने 17 मार्च को अपने एम्प्लॉइज को एक 'बड़ी घोषणा' का वीडियो मेसेज भेजा। वीडियो मेसेज में कंपनी ने कहा कि अब वह थर्ड पार्टी क्रू प्रोवाइडर की मदद से अपना ऑपरेशन चलाएगी। इसलिए आप सभी लोगों की सर्विस ( नौकरी ) तत्काल प्रभाव से टर्मिनेट की जाती है। आज आपकी नौकरी का अंतिम दिन है।' कंपनी के कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें पहले से इसकी जानकारी नहीं दी गई। लेकिन कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि एम्प्लॉइज को ईमेल, पोस्ट, कुरियर और टेक्स्ट मेसेज भेजकर सूचना दी गई थी। पीएंडओ फेरीज पिछले दो साल से 20 करोड़ पाउंड ( करीब 2000 करोड़ रुपये ) के नुकसान में है। जूम कॉल पर लोगों की नौकरी जाने की यू दूसरी घटना है। इस ट्रेंड की शुरुआत विशाल गर्ग की बेटर ्र्रीम्दरु ने की थी। कंपनी ने जूम कॉल पर एक झटके में डॉट कॉम अपने 900 एम्प्लॉइज को नौकरी से निकाल दिया था। जबकि जूम कॉल लॉकडाउन में घर से काम कर रहे लोगों के बीच कम्युनिकेशन गैप को दूर करने के लिए काफी पॉपुलर हुए थे।

# जीएसटी ने लेनदेन लागत, कर भार कम करने की मदद: पीएचडीसीसीआई

नई दिल्ली ( ईएमएस )। उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई ने कहा कि माल एवं सेवा कर ( जीएसटी ) ने व्यापारियों और विनिर्माताओं की अंतर-राज्यीय लेनदेन की लागत को कम करने में मदद की है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ( पीएचडीसीसीआई ) के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि जीएसटी के लागू होने के बाद उल्लेखनीय संख्या में उत्पादों को ऊंचे स्लैब से निचले स्लैब में लाया गया है। उन्होंने कहा ?कि 28 प्रतिशत की उच्चतम कर स्लैब के तहत आने वाले वस्तुओं की संख्या जनवरी, 2022 में घटकर केवल तीन प्रतिशत रह गई है। जीएसटी के लागू होने के समय यह संख्या 17 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि कई वस्तुओं को पिछले पांच वर्षों के दौरान 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत या इससे कम वाले कर के स्लैब में डाल दिया गया है। उन्होंने कहा ?कि इस समय पेट्रोलियम उत्पादों को उत्पाद शुल्क, केंद्रीय बिक्री कर समेत मूल्य वर्धित कर ( वैट ) जैसे करों के प्रभाव को दूर करने के लिए जीएसटी के दायरे में लाया जाना चाहिए।

# दिवाली से ज्यादा ब्रिकी होली पर की ई-कॉमर्स कंपनियों ने

अमरावती, औरंगाबाद, अयोध्या, से ज्यादा आई डिमांड

मुंबई ( ईएमएस )। होली के मौके पर मीशो, अमेजॉन और फ्लिपकार्ट जैसी ऑनलाइन ई-कॉमर्स कंपनियों की जमकर बिक्री हो रही है। कई कंपनियों की सेल दिवाली से भी आगे पहुंच गई है। खास बात यह है कि बिक्री में करीब 80 फीसदी डिमांड अमरावती, औरंगाबाद, अयोध्या, मुजफ्फरपुर और सिलचर जैसे टियर-2 शहरों से आ रही है। देश के कई हिस्सों में आज भी होली मनाई जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो की चार से छह मार्च तक आयोजित तीन दिन की होली सेल के दौरान 1.4 करोड़ से अधिक ऑर्डर आए। यह पिछले साल की दिवाली सेल से अधिक है। दिवाली सेल को देश में सबसे बड़ा फेस्टिवल शॉपिंग सीजन माना जाता है। कंपनी को होली सेल में करीब 80 फीसदी ऑर्डर अमरावती, औरंगाबाद, अयोध्या, मुजफ्फरपुर और सिलचर जैसे टियर-2 शहरों से आए।

इस मौके पर मीशो पर ज्वेलरी, फुटवियर, इलेक्ट्रॉनिक्स और एपेरल की बिक्री में भारी तेजी देखने को मिली। दिल्ली के एक मीशो सेलर ने कहा कि सबसे दिलचस्प बात यह रही कि तीनों दिन ऑर्डर फ्लो एक समान रहा। यह दिवाली सेल से बेहतर था। राजकोट के एक सेलर ने कहा कि सेल्स में पांच गुना तेजी आई। मीशो यूजर्स को 7.7 करोड़ से अधिक यूनीक प्रॉडक्ट्स तक एक्सेस देता है। पिछले साल मीशो के 71 फीसदी नए यूजर्स टियर 3 मार्केट्स से आए थे। फ्लिपकार्ट के सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म शॉपसी की पहली होली सेल में कुछ ऐसा ही हाल रहा। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि होली पिचकारी से लेकर ऑर्गेनिक कलर्स तक लोग अब लीक से हट रहे हैं और उनका फोकस वैल्यू पर है। होली एसेंशियल्स कैटगरी में 60 फीसदी ऑर्डर टियर 3 शहरों से आया। इसमें ज्यादातर खरीदार पूर्वी और उत्तरी जोन के थे। सबसे ज्यादा डिमांड पटना, लखनऊ, गुवाहाटी, वाराणसी, इलाहाबाद, जयपुर, रांची, कटक, भुवनेश्वर, अहमदाबाद, कानपुर, गाजियाबाद, मेदिनीपुर, बांकुरा और नागपुर से देखनें में मिली।

शॉपसी पर रंगों की डिमांड पर पांच गुना और पिचकारी के ऑर्डर में चार गुना तेजी देखने को मिली। एपेरल्स कैटगरी में भी दो गुना तेजी दिखी। इस तरह आटा, सूजी, घी, शुगर, सेंवई और दूसरी की मांग में भी टियर 3 शहरों से मांग में काफी तेजी दिखी।वहीं अमेजॉन पर होली का रंग चढ़ा है। कंपनी ने होली की खास जरूरत के लिए होली शॉपिंग स्टोर बनाया था। इसमें हर्बल कलर्स से लेकर पिचकारी, पूजा सामग्री, वॉटरप्रूफ गैजेट्स और एक्सीसरीज उपलब्ध है। इसमें कई इलेक्ट्रॉनिक सामान पर भी छूट दी जा रही है।

## मीडिया और मनोरंजन उद्योग 2030 तक पहुंच सकता है 100 अरब डॉलरः सचिव

नई दिल्ली ( ईएमएस )। देश का मीडिया और मनोरंजन उद्योग 2030 तक 100 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच जाने का अनुमान है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्र ने दुबई एक्सपो में भारतीय मंडप का उदघाटन करते हुए यह बात कही। देश का मीडिया और मनोरंजन उद्योग फिलहाल 28 अरब डॉलर का है। उन्होंने कहा कि देश में उद्योग की जरूरत के अनुसार प्रतिभा और रचानात्मक कौशल है। चंद्रा ने एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स ( एवीजीसी ) सामग्री तैयार करने के लिए भारत के साथ सहयोग पर भारतीय मंडप में आयोजित एक गोलमेज चर्चा में कहा ?कि भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग दुनिया में तेजी से बढ़ने वाले मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग में से एक है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा दिखाई देता है। उन्होंने कहा ?कि भारतीय मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग का मूल्य फिलहाल 28 अरब डॉलर है और इसके 2030 तक 12 प्रतिशत की संचयी वृद्धि के साथ 100 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

# आरबीआई ने पेटीएम पर नए ग्राहक जोड़ने पर लगाई रोक

- 450 रुपए किया शेयर का टारगेट प्राइस

ब्लूमबर्ग ( ईएमएस )। देश की ऑनलाइन भुगतान कंपनी पेटीएम को एक और झटका लगा है। पिछले दिनों ही रिजर्व बैंक ( आरबीआई ) ने पेटीएम पेमेंट बैंक पर नए ग्राहक जोड़ने पर रोक लगाई है। अब पेटीएम के शेयरों के टारगेट प्राइस को और घटा दिया है। पेटीएम के शेयरों के टारगेट प्राइस को घटाकर 450 रुपए कर दिया है। पेटीएम स्टॉक के टारगेट प्राइस को मैक्वायरी कैपिटल सिक्योरिटी के एनालिस्ट ने रिवाइज किया है। पिछले साल नवंबर में आईपीओ आने के बाद से पेटीएम के शेयरों में 71 फीसदी की गिरावट आई है। मैक्वायरी कैपिटल सिक्योरिटीज के एनालिस्ट सुरेश गणपति ने पहले पेटीएम के शेयरों के प्राइस टारगेट को घटाकर 700 रुपये किया था। अब मैक्वायरी के सुरेश गणपति ने पेटीएम के शेयरों का टारगेट प्राइस घटाकर 450 रुपये कर दिया है। उन्होंने दुनिया भर में फिनटेक कंपनियों के लिए लोअर वैल्यूएशंस का हवाला दिया है। उन्होंने पेटीएम के शेयरों को अंडरपरफॉर्म रेटिंग दी है।

हालांकि, मैक्वायरी कैपिटल के सुरेश गणपति ने पेटीएम के लिए अपने अर्निंग या रेवेन्यू एस्टिमेट्स में कोई बदलाव नहीं किया है। पेटीएम के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में गुरुवार को 2.29 फीसदी की गिरावट के साथ 619.9 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। गणपति का कहना है कि फिनटेक रेगुलेशंस और सख्त कंप्लायंस नॉर्म्स कंपनी के लिए मुश्किल भरे हो सकते हैं। डेटा के मुताबिक, पेटीएम कवर करने वाले 9 एनालिस्ट्स का 12 महीने का एवरेज प्राइस टारगेट 1203 रुपए है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 572.25 रुपये है। वहीं, पेटीएम के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1961.05 रुपये है।

# यूक्रेन-रूस युद्ध के 24 वें दिन पोलैंड के पास लवीव में पहली बार मिसाइलों से हमला

लवीव ( ईएमएस )। रूस-यूक्रेन के बीच चल रही जंग 24वें दिन भी थमने का नाम नहीं ले रही है। रूस की सेना ने युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार पोलैंड से सटे पश्चिमी यूक्रेन के शहर लवीव में शुक्रवार को मिसाइलों से भीषण हमला किया है। रूस ने 6 मिसाइलों से लवीव एयरपोर्ट से सटे इलाकों को निशाना बनाया। लवीव के मेयर ने रूस के इन हमलों की जानकारी दी है। इस बीच यूक्रेन ने कहा है कि उसने कीव पर हमला करने के रूस के दो मुख्य रास्तों को ब्लॉक कर दिया है। मेयर ने बताया कि लवीव में हुए रूसी हमलों में अभी किसी के मरने की पुष्टि नहीं हुई है। लवीव शहर नाटो सदस्य देश पोलैंड की सीमा से मात्र 80 किमी दूर है। मेयर ने बताया कि रूस ने एक एयरक्राफ्ट रिपेयर प्लांट को निशाना बनाया। यूक्रेन की सेना के पश्चिमी कमान ने बताया कि रूस की ओर से काला सागर के रास्ते संभवतः 6गुणा 555 मिसाइलों को दागा गया। इनमें से दो मिसाइलों को यूक्रेन के एयर डिफेंस के जरिए हवा में ही तबाह करने का दावा किया गया है।

इस बीच अपने भाषण में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदयमयर जेलेंस्की ने कहा कि देश की वायुसेना सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इस बीच यूक्रेन की सेना ने राजधानी कीव पर रूसी हमले के रास्तों को ब्लॉक करने का दावा किया है। इसके साथ ही रूस की सेना की दो तरफ से कीव की ओर हो रही बढ़त रुक गई है। यूक्रेन की सेना ने बताया कि रूसी सेना शहर के दक्षिणी किनारे से 70 किमी दूर है। इस वजह से वे रॉकेट के अलावा और हमले नहीं कर पा रहे हैं। यूक्रेन की सेना ने कहा कि रूसी सेना उनके इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बना रही है लेकिन हमलों के मुख्य रास्तों को ब्लॉक कर दिया गया है। यही नहीं अब कीव की सुरक्षा के लिए दो लेयर के साथ तीसरी लेयर को भी बनाया जा रहा है। हालांकि उन्होंने माना कि क्रूज मिसाइलों से अभी भी शहर को खतरा बना हुआ है। रूस काला सागर और बेलारूस के रास्ते यूक्रेन पर मिसाइलों की बारिश कर रहा है, ये दोनों ही अलग-अलग दिशा में हैं। इस बीच अमेरिका ने कहा है कि रूस ने अब तक यूक्रेन पर 1080 मिसाइलें दागी हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भविष्यवाणी की है कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध रूस को दशकों पीछे ले जाएगा- '90 के दशक की त्रासदियों' जैसे हालात हो जाएंगे। जेलेंस्की ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि हम पर हमला करके वे पिछले 25 वर्षों में रूसी समाज ने जो कुछ हासिल किया है, उसे नष्ट कर देंगे और वे वहीं लौट आएंगे, जहां उन्होंने एक बार उठना शुरू किया था- हालात '90 के दशक की त्रासदियों' जैसे हो जाएंगे।' उन्होंने एक वीडियो संबोधन में कहा, 'केवल स्वतंत्रता के बिना, लाखों लोगों की अपने राज्य के विकास के लिए काम करने की रचनात्मक इच्छा के बिना। यह रूस के लिए यूक्रेन के खिलाफ युद्ध की कीमत होगी। यह उनके लिए एक गिरावट होगी, एक दर्दनाक गिरावट होगी। इससे पहले, यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने कहा था कि रूसी सैनिकों ने मिसाइलों के अपने पूरे भंडार और कुछ प्रकार के गोला-बारूद का इस्तेमाल किया है। यूक्रेन के सशस्त्र बलों के अनुसार, रूसी हथियार उद्योग में काम करने वाली कई कंपनियों को चौबीसों घंटे मोड में बदल दिया गया है।

## शी की बाइडेन को दो टूक, यूक्रेन संकट कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे हम देखना चाहते

बीजिंग ( ईएमएस )। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अपने अमेरिकी समकक्ष जो बाइडन से कहा कि यूक्रेन संकट कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे हम देखना चाहते हैं। साथ ही, उन्होंने विश्व शांति एवं स्थिरता के लिए 'अंतरराष्ट्रीय दायित्वों' को पूरा करने को लेकर अमेरिका-चीन के संयुक्त सहयोग की अपील की। शी ने बाइडन से कहा, ''शांति एवं विकास की मौजूदा प्रवृत्ति गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। विश्व नहीं ही शांत है, ना ही स्थिर है। यूक्रेन संकट कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे हम देखना चाहते हैं। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण का चीन द्वारा निंदा नहीं करने को लेकर बीजिंग की अमेरिका द्वारा की जा रही आलोचना के बीच शी ने यह टिप्पणी की।

उल्लेखनीय है कि चीन और रूस के बीच करीबी संबंध हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने शी के बयान को लेकर कहा, ''संघर्ष और टकराव किसी के हित में नहीं है और शांति एवं सुरक्षा को अंतरराष्ट्रीय समुदाय को महत्व देना चाहिए।''शी ने ताईवान सहित कई मुद्दों को लेकर उथल-पुथल के दौर से गुजर रहे चीन-अमेरिका संबंधों को सही रास्ते पर लाने की भी अपील की। उन्होंने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य और विश्व की दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं होने के नाते, हमें चीन-अमेरिका संबंधों को अवश्य ही सही रास्ते पर आगे बढ़ाना चाहिए।''हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने यूक्रेन संकट खत्म करने की अपील की है या नहीं, क्योंकि उनकी टिप्पणी पर कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है।

# जेलेंस्की ने कहा- अब आ गया रूस के साथ बातचीत का समय, वर्ना...

कीव ( ईएमएस )। अमेरिका और यूरोपीय देशों के तमाम अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बावजूद यूक्रेन पर रूस के हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। बीते शुक्रवार को यहां एक थिएटर पर बमबारी हुई। यहां सैकड़ों लोगों ने शरण ली हुई थी. अब यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने बताया है कि रूसियों द्वारा मारियुपोल थिएटर पर बमबारी के चलते लगे मलबे के ढेर से अब तक 130 लोगों को बचाया गया है। उनमें से कुछ गंभीर रूप से घायल हैं। हालांकि किसी भी मौत की कोई जानकारी नहीं है। ज़ेलेंस्की ने कहा- और मैं चाहता हूं कि अब हर कोई मेरी बात सुने, खासकर मॉस्को में। शांति पर सार्थक बातचीत हो, रूस के लिए अपनी गलतियों से होने वाले नुकसान को कम करने का एकमात्र मौका है। अब मिलने और बात करने का समय आ गया है। यह यूक्रेन के लिए क्षेत्रीय अखंडता और न्याय बहाल करने का समय है अन्यथा, रूस का नुकसान इतना बड़ा होगा कि कई पीढ़ियां उसे सुधार नहीं पाएंगी। उन्होंने कहा कि क्रीमिया की जब्ती की अनिवर्सरी के सिलसिले में आज मास्को में काफी कुछ कहा गया। बड़ी रैली हुई और मैं एक डीटेल पर ध्यान देना चाहता हूं। बताया गया है कि रूस की राजधानी में हुई रैली में कुल 200,000 लोग शामिल थे। सड़कों पर 100,000, स्टेडियम में लगभग 95000 और लगभग इतनी ही संख्या में रूसी सैनिक यूक्रेन पर आक्रमण में शामिल थे। मॉस्को के उस स्टेडियम में 14000 लाशों और दसियों हज़ार घायल और अपंग लोगों की कल्पना कीजिए। उन्होंने कहा है कि यूक्रेन नेटो में शामिल नहीं हो सकता है। उन्होंने वहां की जनता को ये तथ्य स्वीकार करने की अपील की है।

# चीन ने अगर रूस की मदद की तो भुगतने होंगे गंभीर परिणाम, ताइवान से रहें दूर : अमेरिकी राष्ट्रपति

वॉशिंगटन ( ईएमएस )। यूक्रेन-चीन के बीच जारी जंग के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने समकक्ष चीन के शी जिनपिंग को आगाह करते हुए चेतावनी दी कि अगर बीजिंग ने यूक्रेन पर हमले में पुतिन की मदद की तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। करीब दो घंटे तक चली बातचीत के दौरान बाइडेन ने शी जिनपिंग से यह भी कहा कि वह ताइवान से दूर रहे। बाइडेन ने जिनपिंग को बताया कि अगर चीन ने रूस की मदद की तो इसका क्या असर होगा और उसे क्या परिणाम भुगतने होंगे। इस बीच चीन ने संकेत दिया है कि बाइडेन की धमकी के बाद भी वह रूस की हथियारों से मदद कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस ने कहा कि यूक्रेन में रूस आम नागरिकों के खिलाफ क्रूर हमले कर रहा है। हालांकि वाइट हाउस ने यह नहीं बताया कि चीन को क्या परिणाम भुगतने होंगे या बाइडेन ने चीन से ऐसी कोई विशेष मांग की है जिसका रूस के साथ नजदीकी राजनयिक रिश्ता है। बताया जा रहा है कि बाइडेन और जिनपिंग के यह बातचीत अमेरिका के उन प्रयासों का हिस्सा है जिसके तहत वह पुतिन को दुनिया की ओर से मदद देने से रोक रहे हैं।

बाइडेन ने अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों की ओर से रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के बारे में बताया। बयान में यह नहीं बताया गया है कि दोनों नेता किसी मुद्दे पर सहमत हुए या नहीं। हालांकि इसमें कहा गया है कि आगे भी बातचीत जारी रहेगी। एक शीर्ष अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'मैं कहूंगा कि यह बातचीत सीधी थी।' उन्होंने कहा कि यह फोन कॉल बाइडेन की ओर से कोई खास मांग करने के लिए नहीं की गई थी, बल्कि यह बताने के लिए की गई थी कि किसी कदम का क्या प्रभाव हो सकता है। वाइट हाउस की प्रवक्ता ने कहा कि अब फैसला चीनी राष्ट्रपति को लेना है। उधर, जिनपिंग ने बाइडेन से कहा कि 'यूक्रेन संकट' कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे 'हम देखना चाहते हैं।' चीनी राष्ट्रपति ने विश्व शांति एवं स्थिरता के लिए 'अंतरराष्ट्रीय दायित्वों' को पूरा करने को लेकर अमेरिका-चीन के संयुक्त सहयोग की अपील की। शी ने बाइडन से कहा, 'शांति एवं विकास की मौजूदा प्रवृत्ति गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। विश्व ना तो शांत है ना ही स्थिर है। यूक्रेन संकट कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे हम देखना चाहते हैं।'

यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की चीन ने अब तक निंदा नहीं की है जिसकी अमेरिका की ओर से आलोचना की जा रही है। बता दें कि चीन और रूस के बीच करीबी संबंध हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने शी के हवाले से कहा, 'संघर्ष और टकराव किसी के हित में नहीं है और शांति एवं सुरक्षा को अंतरराष्ट्रीय समुदाय को महत्व देना चाहिए।' शी ने ताइवान सहित कई मुद्दों को लेकर उथल-पुथल के दौर से गुजर रहे चीन-अमेरिका संबंधों को सही रास्ते पर लाने की भी अपील की। शी ने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य और विश्व की दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं होने के नाते, हमें चीन-अमेरिका संबंधों को अवश्य ही सही रास्ते पर आगे बढ़ाना चाहिए।' बाइडन ने चीनी राष्ट्रपति से कहा कि अमेरिका की ताइवान के प्रति नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ताइवान में यथास्थिति में एकतरफा किसी बदलाव का विरोध करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह चेतावनी ऐसे समय पर दी है जब चीन ने यूक्रेन संकट के बीच अपनी सैन्य उपस्थिति को ताइवान के आसपास बढ़ा दिया है।

# प्रधानमंत्री ने जल शक्ति के साथ जनशक्ति को जोड़कर गुजरात को बनाया वाटर डेफिसिट से वाटर सरप्लस राज्यः मुख्यमंत्री

- भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर के कोलवड़ा गांव में तालाब गहरीकरण कार्य से राज्यव्यापी जल अभियान का किया शुभारंभ

अहमदाबाद ( ईएमएस ) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पानी को विकास का मुख्य आधार करार देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल शक्ति की महत्ता को समझते हुए उसे जनशक्ति के साथ जोड़कर गुजरात को 'वाटर डेफिसिट' यानी पानी की कमी वाले राज्य से 'वाटर सरप्लस' अर्थात जल अधिशेष वाला राज्य बनाया है। शनिवार को गांधीनगर के कोलवड़ा गांव से सुजलाम सुफलाम जल अभियान के पांचवें चरण का राज्यव्यापी प्रारंभ करते हुए उन्होंने यह बात कही। उल्लेखनीय है कि गुजरात में भूमिगत जलस्तर को ऊंचा उठाने और जहां जितनी बरसात होती है, उसी जगह उसका संग्रहण करने के उम्दा उद्देश्य के साथ जनजागरूकता पैदा करने के लिए वर्ष 2018 से यह जल अभियान चलाया जा रहा है। चेकडैम, बोरी बांध, सुजलाम सुफलाम योजना, नर्मदा केनाल नेटवर्क और सौराष्ट्र नर्मदा अवतरण सिंचाई योजना ( सौनी योजना ) जैसे जल संचयन, जल सिंचन और संग्रहण के आयामों से राज्य में भूमिगत जलस्तर ऊंठा उठा है और किसानों के खेतों में पानी पहुंचा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुजलाम सुफलाम अभियान के परिणामस्वरूप भूमिगत जलस्तर ऊंठा उठेगा और केवल लोगों को ही नहीं बल्कि पशु-पक्षी सभी को पर्याप्त पानी मिलने लगेगा। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि हम पानी और बिजली बचाकर देश की सेवा कर सकते हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने जल आत्मनिर्भरता के जरिए 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना को साकार करने की भी प्रेरणा दी। उन्होंने आगे कहा कि लोगों को पानी की समस्या या मुश्किलों का सामना न करना पड़े, उसके लिए राज्य सरकार जल प्रबंधन के आयोजनों के साथ निरंतर सजग है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर घर जल योजना के अंतर्गत 'नल से जल' का जो अभियान शुरू किया है, गुजरात उसमें भी आगे रहेगा। राज्य में वर्ष 2022 के अंत तक हर घर को नल से जल पहुंचाने का संकल्प सौ फीसदी साकार करने की प्रतिबद्धता भी उन्होंने व्यक्त की। भूपेंद्र पटेल ने पानी का महात्म्य उजागर करते हुए कहा कि पानी परमात्मा का प्रसाद और पारसमणि है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर ने भी पानी का उपयोग 'घी' की तरह करने की सीख दी है। अब समय की मांग है कि सभी इस सीख पर अमल कर पानी की बर्बादी रोकें और जल का संचय करें।

मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि लोग पानी की खपत में कमी करके तथा रासायनिक खाद मुक्त प्राकृतिक खेती अपनाकर सच्चे अर्थ में धरती माता को सुजलाम सुफलाम बनाने के इस अभियान में अधिक से अधिक संख्या में जुड़ें। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कोलवड़ा गांव के तालाब के गहरीकरण कार्य की शुरुआत कर जल अभियान का विधिवत शुभारंभ किया।

पांचवे चरण के इस सुजलाम सुफलाम जल अभियान के अंतर्गत 31 मई, 2022 तक समग्र राज्य में 13 हजार से अधिक कार्य किए जाएंगे। तालाबों को गहरा करना, चेकडैम के डिसिल्टिंग कार्य, जलाशय के डिसिल्टिंग कार्य, नदी-नालों की साफ-सफाई कर पुनर्जीवित करने के कार्य, चेकडैम के मरम्मत तथा नए चेकडैम बनाने जैसे जल संचयन के कार्य सुजलाम सुफलाम जल अभियान के अंतर्गत किए जाते हैं। इस वर्ष ऐसे कार्यों के द्वारा जल संग्रहण क्षमता में लगभग 15 हजार लाख घन फीट वृद्धि होने का अनुमान है। मनरेगा के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों के मार्फत यह अभियान लगभग 25 लाख से अधिक मानव दिवस रोजगार का सृजन करेगा। इस जल अभियान के चार चरणों में जन सहयोग से राज्य को शानदार सफलता मिली है। वर्ष 2018 से वर्ष 2021 के दौरान सुजलाम सुफलाम जल अभियान के अंतर्गत 56,698 कार्य सम्पन्न हुए हैं। जिसके तहत 21,402 तालाबों को गहरा करने और नए तालाब बनाने के कार्य, 1204 नए चेकडैम बनाने के कार्य तथा 50,353 किलोमीटर लम्बाई में नहरों तथा नालों की साफ-सफाई के कार्य किए गए हैं। इन कार्यों के परिणामस्वरूप 4 वर्ष में जल संग्रहण क्षमता में कुल 61,781 लाख घन फीट की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, 156.93 लाख मानव दिवस रोजगार का सृजन हुआ है।

गांधीनगर के विधायक शंभूजी ठाकोर ने कहा कि शनिवार से गांधीनगर के कोलवडा से सुजलाम सुफलाम जल अभियान-2022 का राज्यव्यापी शुभारंभ हुआ है। राज्य में वर्षा के वितरण में असमानता है। इसके परिणामस्वरूप भूजल की खपत बढ़ गई है। पानी की खपत को लेकर जागृति लाने तथा पानी की संग्रहण क्षमता को बढ़ाने के लिए वर्ष 2018 से पूरे राज्य में यह अभियान शुरू किया गया था। कोरोना काल में भी इस अभियान को जारी रखा गया था।

गांधीगर के महानगर पालिका के महापौर हितेष मकवाणा ने कहा कि राज्य में अनियमित और अपर्याप्त मात्रा में बारिश होती है। गुजरात की भौगोलिक परिस्थिति को ध्यान में रखकर राज्य में जल संग्रह करने की क्षमता को बढ़ाने के लिए समग्र राज्य में पिछले चार वर्षों से यह अभियान चलाया जा रहा है। गांधीनगर जिले में चार वर्ष में 658 कार्य किए गए हैं। जिसमें तालाब तथा चेकडैम गहरा करने के 389 कार्य, खेत तालाब तथा वन तालाब के 63 कार्य और अन्य जल संचयन के कार्य जैसे कि स्टॉर्म वॉटर लाइन की साफ-सफाई, वर्षा जल संचयन के कार्य, नदियों का शुद्धिकरण आदि के 206 कार्य किए गए हैं। इससे जिले की जल संचयन शक्ति में कुल 617 लाख घन फीट की वृद्धि हुई है।

# धुलेटी खेलकर नदी में नाहने गये ५ दोस्तों के डूब जाने से मौत

द्वारका, १९ मार्च ।

धुलेटी का रंगों का उत्सव पांच परिवारों के लिए मातम का दिन बन गया है । देवभूमि द्वारका के भाणवड की त्रिवेणी नदी में आज पांच दोस्तों के डूब जाने से मौत होने पर रंगों का उत्सव दुख का दिन बन गया है । भाणवड में रहते किशोर उम्र के पांच दोस्त धुलेटी के दिन रंगों से उत्सव को मनाने के बाद त्रिवेणी नदी में नहाने के लिए गये थे । हालांकि यह पांच दोस्त नदी में डूब जाने पर उनके परिवार में शोक की लहर फैल गई है ।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार धुलेटी के त्यौहार होने से भाणवड में रहते किशोर उम्र के पांच दोस्त रंगों से खेला था । बाद में वह नदी में नहाने के लिए गये थे । नदी में नहाने का आनंद ले रहे यह दोस्तों को दुर्घटना से डूब गया था जिसकी वजह से उनकी मौत हुई थी । घटना की जानकारी मिलने पर फायर और पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंच गये । उन्होंने पांच दोस्तों के शव को बाहर निकाला । नदी में डूबकर मौत मर गये पांचों किशोरों की उम्र १६-१७ वर्ष की थी । यह पांच दोस्त थे और सभी लोग शिवनगर, रामेश्वर प्लोट और खारावाड, भाणवड के निवासी थे ।

# राजस्थान कांग्रेस विधायक के दावे से गुजरात की राजनीति गरमाई

अहमदाबाद ( ईएमएस ) राजस्थान कांग्रेस के विधायक संयम लोढा के एक दावे से गुजरात की राजनीति गरमा गई हैं संयम लोढा के दावे को गुजरात कांग्रेस के विधायक हिम्मतसिंह पटेल ने उनका निजी अभिप्राय बताया हैं दूसरी ओर कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोपों का दौर शुरू हो गया हैं बता दें कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सलाहकार और विधायक संयम लोढा के एक ट्वीट से कांग्रेस में हड़कम्प मच गया हैं संयम लोढा ने दावा किया है कि गुजरात कांग्रेस के 10 विधायक भाजपा के संपर्क में हैं संयम लोढा के इस बयान पर गुजरात कांग्रेस के विधायक हिम्मतसिंह पटेल ने कहा कि यह उनका निजी अभिप्राय हो सकता हैं चुनाव से पहले ऐसी बातें वायरल होती हैं राज्यसभा के चुनाव के दौरान ऐसी घटना हो चुके हैं, लेकिन अब गुजरात विधानसभा के आगामी चुनाव से पहले कांग्रेस एकजुट हैं कांग्रेस वर्ष 2017 के मुकाबले आगामी विधानसभा चुनाव मजबूती के साथ लड़ने की तैयारी कर रही हैं उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव कांग्रेस 125 सीटें जीतने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही हैं कांग्रेस के अन्य एक विधायक इमरान खेडावाला ने कहा कि हम 64 विधायक हैं और हम में से एक भी विधायक कहीं नहीं जाएगा इतना ही नहीं खेडावाला ने दावा किया कि जिन्हें भाजपा में टिकट मिलने की कोई गुंजाईश नहीं है ऐसे लोग हमसे संपर्क कर रहे हैं कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए लोग भी अब कांग्रेस कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं भाजपा में कई वरिष्ठ नेताओं को टिकट कटने की चिंता सता रही हैं कांग्रेस विधायक लाखा भरवाड ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के वक्त भी हम एकजुट थे और आज भी हैं कांग्रेस के 10 विधायकों के भाजपा के संपर्क में हैं, यह सही नहीं हैं दूसरी ओर प्रदेश भाजपा महासचिव प्रदीपसिंह वाघेला ने कहा कि कांग्रेस खुद अपने विधायकों को संभाल नहीं पा रही है, जिसकी वजह से वह दिन ब दिन टूटती जा रही हैं उन्होंने दावा किया कि देश में केवल भाजपा ही सबसे भरोसेमंद राजनीतिक दल और इसी वजह से कांग्रेस के विधायक भाजपा की ओर आकर्षित होते हैं

# राजकोट मंडल की इन दो जोड़ी ट्रेनों में अतिरिक्त फर्स्टब एसी कोच जोड़े जाएंगे

राजकोट ( ईएमएस ) यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा राजकोट मंडल की दो जोड़ी ट्रेनों में अन्य कोचों के अलावा अतिरिक्त फर्स्ट एसी कोच जोड़ने के साथ इन ट्रेनों की संरचना में परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम अभिनव जेफ के अनुसार इन ट्रेनों की संरचना में परिवर्तन का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 12475/12476 हापा-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस में एक फर्स्ट एसी, एक थर्ड एसी और दो जनरल कोच जोड़े जायेंगे। ये अतिरिक्ता कोच हापा से 12 जुलाई, 2022 से तथा श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से 11 जुलाई, 2022 से जोड़े जायेंगे।

2. ट्रेन संख्या 12477/12478 जामनगर-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस में एक फर्स्ट एसी, एक थर्ड एसी और दो जनरल कोच जोड़े जायेंगे। ये अतिरिक्तज कोच जामनगर से 13 जुलाई, 2022 से तथा श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से 10 जुलाई, 2022 से जोड़े जायेंगे। अब उपरोक्त सभी ट्रेनों में कुल 22 कोच रहेंगे जिसमें 1 फ़र्स्ट एसी, 2 सेकंड एसी, 6 थर्ड एसी, 6 सेकंड स्लीपर, 4 जनरल कोच, 1 पैंट्री कार तथा 2 जनरेटर वान कोच शामिल हैं।

ट्रेन संख्याो 12475 एवं 12477 के फर्स्टस एसी कोच की बुकिंग 20 मार्च, 2022 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री [illegible] पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों से बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

# भारत में वर्ष 2020 में खनन से सिर्फ 1.6 टन सोने का उत्पादन हुआ;

## वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार इसे हर साल 20 टन तक बढ़ाया जा सकता हैं

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने भारत में सोने के बाजार के विस्तृत विश्लेषणों की श्रृंखला के तहत् आज 'गोल्ड माइनिंग इन इंडिया' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में सोने के खनन की समृद्ध विरासत रही है, लेकिन पुरानी प्रक्रियाओं और कम निवेश से इस उद्योग की बढ़ोतरी में रुकावट आयी है। भारत दुनिया में सोने के सबसे बड़े ग्राहकों में से एक है, लेकिन इसके बावजूद यहां सोने का खनन बहुत छोटे पैमाने पर किया जाता है और देश में खनन उद्योग में शुरुआत करना आसान नहीं है। वर्ष 2020 में सोने के खनन से केवल 1.6 टन सोने का उत्पादन हुआ। अगर भारत के वर्तमान संसाधनों की तुलना दूसरे देशों के उत्पादन और संसाधनों के स्तर से की जाए जो ऐसा पता चलता है कि देश में लंबे समय के लिए प्रति वर्ष लगभग 20 टन सोने का उत्पादन किया जा सकता है।

भारत में वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के रीजनल सीईओ, सोमसुंदरम पीआर ने कहा, ठभारत दुनिया के सबसे ज़्यादा सोने की खपत करने वाले देशों में से एक है, इसलिए यह स्वाभाविक है कि भारत अपनी खनन क्षमता का विकास करे। लेकिन ऐसा करने के लिए बदलाव लाने, पुराने समय से चली आ रही बाधाओं को कम करने और निवेश को प्रोत्साहित करने की ज़रूरत है। हाल के वर्षों में माइन्स और मिनरल्स ( डेवलपमेंट और रेगुलेशन ) एक्ट में किए गए बदलाव और नेशनल मिनरल पॉलिसी व नेशनल मिनरल्स एक्सप्लोरेशन पॉलिसी की शुरूआत से आशाजनक संकेत मिले हैं। यदि भारत में इसी सोच के साथ काम किया जाता रहा, तो आने वाले वर्षों में खनन से उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है। लेकिन साथ ही, हमें लगता है कि इसका असर लंबे समय के बाद होगा क्योंकि संभावित निवेशक पहले इस बात को देखेंगे कि कि नई नीतियां कितनी सफलता के साथ लागू की जाएंगी और वे कितनी प्रभावी होंगी। ''

आज़ादी का अमृत महोत्सव
सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार
गुजरात बजट 2022-2023

गौरवशाली गुजरात की नई पहचान
सशक्त महिला, स्वस्थ शिशु

महिला एवं बाल विकास विभाग
के लिए कुल ₹4,976 करोड़



महिला एवं बाल विकास

''सुपोषित माता-स्वस्थ बाल योजना'' के अंतर्गत **प्रति परिवार 1 हज़ार दिनों** तक हर महीने 1 किलो तुअर दाल, 2 किलो चने और 1 लीटर खाद्य तेल निःशुल्क प्रदान करने के लिए अगले वर्ष **₹811 करोड़ खर्च होंगे**

**''आंगनवाड़ी कार्यक्रम''** के अंतर्गत बच्चों के पोषण, पूर्व शिक्षण और अन्य सुविधाओं के लिए **₹1,153 करोड़ खर्च होंगे**

आदिवासी बाहुल्य 72 तालुकाओं में गर्भवती महिलाओं को पूरक पोषण देनेवाली **''पोषण सुधा योजना''** के विस्तरण के लिए प्रति व्यक्ति खर्च में 50 प्रतिशत की वृद्धि के साथ **₹118 करोड़ खर्च होंगे**

11 लाख **''गंगा स्वरुपा महिलाओं''** की सहायता के लिए **₹917 करोड़ खर्च होंगे**

11 से 18 वर्ष की किशोरियों के पोषण और आरोग्यलक्षी शिक्षण के लिए **''पूर्णा योजना''** के अंतर्गत **₹365 करोड़ खर्च होंगे**

**''व्हाली दीकरी योजना''** के अंतर्गत **लगभग 1 लाख बेटियों को** विविध चरणों पर 1 लाख तक की आर्थिक सहाय देने हेतु एल.आई.सी. का प्रीमियम भरने के लिए **₹80 करोड़ का खर्च होगा**

ग्राम्य तथा शहरी विस्तारों में नंदघर निर्माण के साथ अन्य आधारभूत संरचना के लिए **₹31 करोड़ का खर्च होगा**

1,000 दिनों की देखभाल
जीवनभर सुखी रहे माता-बाल

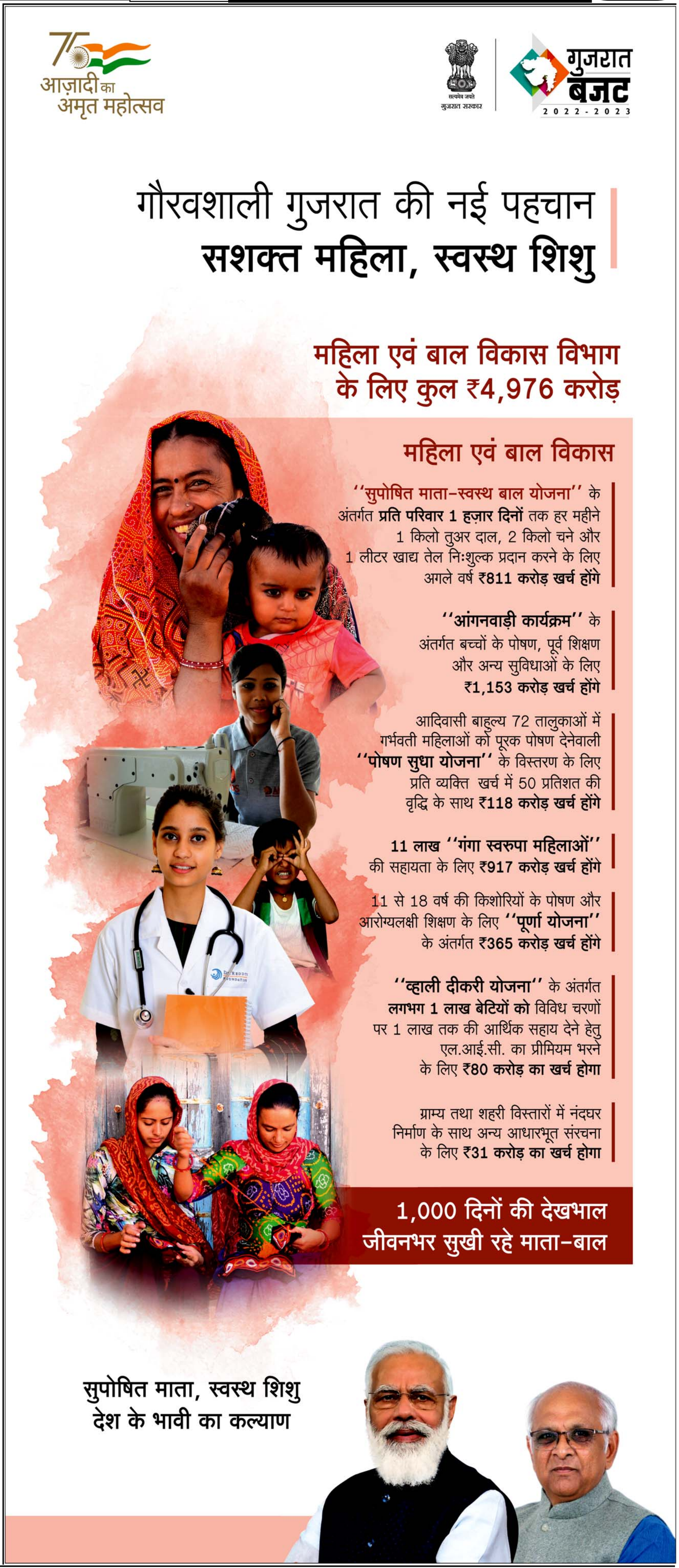

सुपोषित माता, स्वस्थ शिशु
देश के भावी का कल्याण



मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95